Digitized by eGangotri

ಶಿವ ಭಕ್ತರ ಚ(ರಿ:ತ್ರೆ). (ಸಾಗರ...)
ಬಸವ ಚರಿತ್ರ.

ನಂ ೨೬

Jangamwadi Mutt Palm Leaf Collection

Digitized by eGangotri

Jangamwadi Mutt Palm Leaf Collection

Digitized by eGangotri

Jangamwadi Mutt Palm Leaf Collection

Digitized by eGangotri

रोतमरम्नु। स्रीन तोरा दान न मगन त्सोनम्नः न सो ग्रुवरपतु न०मा म नम ०म नमःया त्रात्मा० नज यवुनात्माग वर अत नाक्षिणम न न कात्मा० नये०र्का वमा वव के

तमात्मा० न भोज मःश्य० रू र धार्वतीत्मान -- मग आठाठव क्षा फि ग आ ताठमदस्त्ररा० अनेक २० त०त हो नर० व रा२० त ग्र वात्मनेन ग्र मस से क २० त-श्व क निवो न

मुक तिक्नि०त न०ल्नो २ न श्व न कृ से वि ण्रु ○ ना ओन्न ततनि श्र ड।। उ म कोउत तिनाम्न जो वानि व० ओ न ओनत।। आरसे ○ तनिमा मा मो मव ठ कुग मा २ व --

व न्मा न० तविवा रु य न वे रो

Jangamwadi Mutt Palm Leaf Collection

Digitized by eGangotri

बसवपुरा
णमहात्म्यं
२

ॐ तमस्तु श्रीगुरवे शिवाय नमः ॥ श्रीगुरुभ्यो नमः ॥ श्री बसवलिंगाय नमः ॥ श्रीशैलशिखरवासाय ॥ श्रीराम अतः परं कुं ॥ स्वामी मल्लिकार्जुन स्वामी सेवकस्य च परस्मै नमः शिवलीला विनोदाय ...
कलितत्वं यस्मात् ॥ नं ॥ श्रीमत्सालंकायन वेदतत्त्व स्वार्थ नाम गानुयुक्त ... स्वादरूपाय नं तन्मात्रमानं कर्तुं चरवमकर्तुं ॥ ...
मस्तु तपश्चिन्तनमात्र वक्तव्यं ... अशान्त्याः पापनाशनं सौवर्णा ... सोवेद वेदान्तसार ... नमः ... कृतं तस्य ... कालगत ...
नगरमालातत्र तोषिंगोच्छलतत्व ... वितादेविमालोनितनाम मृतात्मा ... वाणेवनाना ... तं ताव ... संतैन ... तकीव ... चौपानतस्मै
कनकाचलवासा तव उमाकान्त ... नमन्नं ... तं तिलिंगमानवमानस ... तिथि ... मतिः ॥ अगस्त्यः स्यम ... ॥ ...
नं कुमाना चलमाहात्म्यो ॥ कुमारपर्वते नमो ... मानवो ... भाजी ... विनाशितो ... तं ... सर्वतो विवक्षितं ... ॥

Jangamwadi Mutt Palm Leaf Collection

Digitized by eGangotri

वृत्तजितातत्वोज्ञनव स्त्रीर्हेविन्नलः सोपरोत्ततेभ्रूद्रः स्त्रीनानावन्वैस्वित्वेस्त्रमः तात्तन्वाद्नते। माणिक्यन्द्वर्तिर्देवैरीपमानो। नानःत नेतनत्व सन्मान्नेन मेघवितकरु मास्त्रितो। न्नवनर्मित
र्लिः स्त्रोःघुरवतृत्तिन्नवरोत्ततोस्मा स्रीलजृदानाः गःतास मानःलगजनणंविततामस्यः गुःत्रुकुसकुत्तलरोततां जीलेः नीव नक्रिक्ल नेनयनवयरालिनीःगण्गाव र्तन्नितिनोतिनेराव्रना
अताःभत्रकोकलसल्लापाःमतविनदुणा मनीःनेवाःनतासेक्त मानाःवीतागाले कलालसाःविःवालनीःकुःवुकं ळीःकनत्कानकावतिनीःधस्रोनाःस्तमरुणीः
वीत्त्तमाताःमकुर्मेकुङ्गनोतागेलूर्तमा नक्षमधुनालोकनोकुकःकरणवातितनवाअकस्मौ तमनात्मकेः॥ उनमन्मनलीवाणेकुर्जतःवनेवानतणकुमा
नस्वामिनःनःहारदःउवतसतिनतत्ववातुश्रवविवलेसोतैवेदक्कैःकुःतस्यःतवः॥ अन्नज्ञातस्नतन्तेनन्वलोकनधामोनमानः कृताःर्धवतउवार्धिराह्नातामलोवल्लनरोवेनतेअत्र॥
सतामप्योपविज्ञानतमानतःमनिकुःगवणःश्री तमा हस्माचपवनकुब्जस्मनतेकुरालःविताअचान तत्रज्ञकुरालवरतसः श्रीतमान सश्चाकृताःअतिकुलोक्तवाभास्यः श्रीनयाधिनाय

Jangamwadi Mutt Palm Leaf Collection

Digitized by eGangotri

नमस्तानक लं॰ अनैवतमस्या वनं मोनं मशुड मामसै यान नालअतास्कनायना मोज मः॥ श्रस्यविश्चानलकुहलनहस॰ नीवता॰ ब्रमो। अरोज रे वता स॰ म नकतो त्का यतेन मः॥ आश्रा अरास्त
नावा।स्त्रस्त्रत्र वा वान मोल मश्ववे दा॰ त नम्यत्रुवा वात श्रिण म्या वातेन मश्वे व॰ स्रु ला कु॰न वोनिः॥ नत्रु॰ स्य ग्न नव श्रा। मे। निवच्यो॰ वार्वस्य॰ स्थेन तवतासस्त्रवान्दुना। स्न मैं अ रे॥ वोल गति श्रो
तश्रो मा द व स्म ता॥ त उ न हरा न त स्सा॰ज॰ फल अत्रुदेवो॥ वतो॥ वव तार्ग मतनलो॥ का॰ व वरा तिव उ न न॥ अ कुवै मे वजल दं॰ नेस्व वो स्सोतिदि स्तुत न॰ जातस्प तवविस्या स्पो॥ वो
ग्रना॰मो त का॰ रतना॰ काल अगनै स वा दो वन्मा न रा स्त्रोमन्नतनः॥ निम न्न का न ना॰ त त अ न॰ नः॥ व व मोत्र त्र अतवित॰ स्त त त्र स्त्रा ना॰ वु॰ सोमो॥ ग्न रूतस्तनः॥ अस्य सरो व नातत्र वन स
श्रुनान॰ रल रतान॥ अक्रिश्ना कचता तत वनना व निवर्मिता॥ अत रैतन सुस॰ वो गा अ्मा वते आत्र वा॰ त भा॥ स्त ख का ॅ आ॥ मे तो व त्र स्ना गीनाः॰ सल स्त्र न श॥ तत्र॰ स स्त्र त॥ वा॥ मैता गौ तवमौन रन्ता
भेला। तवेत्का नतारास्स॰ व वत्ल रा वन्नत्र व क॰। अत्र वा दे वमितत्र आ॰ल मिलनत्रल वा दि स नि॥ अ तन्त वौ नवि रवा॥ वो॥ वो॥ न ना॰ स्ति॥ सा॥ म ना॥ गं॥ सौं॰ स्प॰ मनव ल॰ चौ तो॰

Jangamwadi Mutt Palm Leaf Collection

Digitized by eGangotri

[illegible]

Jangamwadi Mutt Palm Leaf Collection

Digitized by eGangotri

Jangamwadi Mutt Palm Leaf Collection

Digitized by eGangotri

[illegible]

Jangamwadi Mutt Palm Leaf Collection

Digitized by eGangotri

४

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

Jangamwadi Mutt Palm Leaf Collection

Digitized by eGangotri

[illegible]

Jangamwadi Mutt Palm Leaf Collection

Digitized by eGangotri

सर्वसिद्धिप्रदायको । दिं[illegible] ली[illegible] न मु[illegible] । चैर्विवे रा[illegible] नीरव न ः विद्धि ततो न ततो ने तं नाना नद्रौ करोति तत नै वेरा मा दि ना अस्मा[illegible] य ं तिद रास ं पमि । मतिव्रतं मादिना अं मा ना [illegible] ं पतिव्रता ं दि न
सो दं ंप तीत तचिंता का कुल मान स्याता [illegible] य भक्ता वेगा दति [illegible] ना न ना ता न [illegible] न भा[illegible] ता वर्ण ना [illegible] न स्म न ं श्रघो । पवेश स्यमनि ः स्व न नीके मनो सने । ग्रामं ग ं ती न या वा या
भ ं [illegible] त ः मा दिना अ मक्ता ताग सोचे रा स्वा धि नि न ग । अचिते करा ल ं [illegible] सेना न या । क्रा ग ं वा पि म स ता गुना तीवता पनाया या । [illegible] ता निचो पी रा [illegible] ता ना ना [illegible]
४ तता दि का [illegible] ं वदिदं निरा च अ मि वा न न ं दरात सं या ः पुत्रा की नं वि ं त या प्र ति रो पित ं का न ता ं व र वि ं ता या स्मवतो मेवि को तमात [illegible] वा गा दि ना को पि [illegible] ी ं रा म्बो पपता वि न
या तव [illegible] वा वे दं ं मा दा म्बा [illegible] न ं ग व ं त वा दरामसात्मा नो वीतनागा स्वाव [illegible] जाः न न च णो अजा स [illegible] [illegible] ं पनापु [illegible] लस ं प्यात पाव का ः [illegible] मध मस्य [illegible]
काय्या का स्य कति नस्य ं श्री तव्रता भन रा ं स ं ति व त वेदाः मा ते ता ता मपुमा प ता [illegible] श्रीभ्यो न न काता ता [illegible] तवे व न सा प न ः नितु [illegible] मनो [illegible] न ं [illegible] कीर्तिते ः [illegible] ता गा [illegible] वा नाश्व आ तो भ
· सपुत्र [illegible] वसी ना त्त वेल्ला नी वि ल का रा दरी मुजे । वं ं भो लं दि म मदा [illegible] सुं ं ना नी ता ं [illegible] ं ग वा स्यर्व पुता नि वी [illegible] न को भ पं ता [illegible] तं ं भ पा । य ना नि स [illegible] व [illegible] न्ये वं दता

Jangamwadi Mutt Palm Leaf Collection

Digitized by eGangotri

Jangamwadi Mutt Palm Leaf Collection

Digitized by eGangotri

विद्विलेनपाद्यं नं दिव्वं अथेतत्क्वाज्ञ पञ्चीप नस्मा नं नमंतस्मिन्न नेनाती तेन पाने ज्ञात्मलाता ब्रह्म नारो वानं पा पता का नामत्तो मथ्ये क्षयमाव्व ता॥मा स्मा स्पा पकातिकां त्रतमे खन्व
स्मतो।सं वस्मनत्वम्भुतानि विना तौ विना न नो।दिव स्मपु अनं वत्मानन्दि नं पनिष्पु अथेतान दिन स्वतत्तिदिं गे वैकिं कृत्ती स्वर्नन्निर्मिता॥ अशापन्द्र कस्तान्त्र मना अनिवे धानि यमा घिता॥भाव्या पं अथेत्त
स्याब्रान्धाताम्रलिव्याला नि तात॥ पेक्वा दत्तात्ममदा तक्ष्मा रनजावेदपान गानता सौ रादि मन देवात नथा वृद्धियमा चिता स्पदस्य वन गोपात्माङ्गने त्वा नत्स्नं देवा। पुमरस्या व ङ्गने तो
वं चता।के स्वतथा ङ्गने तास्मनि निरव्य ङ्गने देव वं विज्ञपचैस्त धाङ्गने तानि नैरत्न पकेस्येव वला मै गेगिज मकैस्त धाङ्गजै मो।स्ये कुने धेस्त।पतसे वां च समदस्य साध्य देवं ङ्गत्वात तं दो
८ तैस्सम अस्मं तर्पतां न ने त्राब्रह्मलाता ब्रह्मतो अथे तास्वा दस्तात्ता गनन्न ब्रह्म वदन्न तं तस्य पत्तत्त ओतभ्रत वन्न सानो देनैश रत ब्रह्मे कदोने चित वल्लो अनि भूता देवं कत्वादि निः पु वं नलमा
पनगुव वे स्ववनं। चेव मु त्वाका न वचः क्वा मनां नं अ गाम स्मशः मानां वापवन्न ना वस्मोस्य तव नां तवो।पेतस्मि भं तने नं दी स्वप नं तु त्वा पानतः। मा ना ध्यानतदेरां त रविवे स्ता धा ता न्मनो।ततो नो स्तु त्वि
ज्ञानि ब्रह्म स्पा स्मृ अह्रने तरां तविना भंगत्वतो गस्पा अतस्य स्पसितो नेवा।सिव स्वं धं नयमंगतिलंगु व त्वातेन नवत्तिल्लि।अम ताः रो नि वासो नम्र स्वस्पे अ ह नेत चाप्रभालमा पा तेउ नं

Jangamwadi Mutt Palm Leaf Collection

Digitized by eGangotri

[illegible]

Jangamwadi Mutt Palm Leaf Collection

Digitized by eGangotri

[illegible]

Jangamwadi Mutt Palm Leaf Collection

Digitized by eGangotri

Jangamwadi Mutt Palm Leaf Collection

Digitized by eGangotri

[illegible]

Jangamwadi Mutt Palm Leaf Collection

Digitized by eGangotri

2

Jangamwadi Mutt Palm Leaf Collection

Digitized by eGangotri

Jangamwadi Mutt Palm Leaf Collection

Digitized by eGangotri

[illegible]

Jangamwadi Mutt Palm Leaf Collection

Digitized by eGangotri

Jangamwadi Mutt Palm Leaf Collection

Digitized by eGangotri

Jangamwadi Mutt Palm Leaf Collection

Digitized by eGangotri

८८

[illegible]

Jangamwadi Mutt Palm Leaf Collection

Digitized by eGangotri

[illegible]

Jangamwadi Mutt Palm Leaf Collection

Digitized by eGangotri

लां काबुद्धि प ताये नक मैं कनि त ता दि ता सा वल्ला गा शिव ण्ये वा न्त ने भ गे तत्का पे तिङ्ग इव बर्द्धि ता ता क्रु गोक माला पे जिं ना ना तन ता वर्द्धि ता श ज ना नर्नित ह्व कुला न्तो क्रानो पे द्वि का प मा श शिव स्प नि न्या पे तु दि वत्त
त्रै कनिं क ता ता बा अस्म कि मे तद्धि जीव नं सा का जीव नं पेन सं वि ना बालो पं चदर त्रिवसात्र मा प दे पे सु दा सं व का नात्तिक स्यन्त मः सामपे स्न नप पान स्प तु सीताव न सः स्थित शिव व सा लीला पां म स्मश्रा त ला
ला ता शिवा नं न त्र अस्मा ता त्क ता क न न ग नं दिा शिवदे व व रे स्वी मेत्र का ल क्रा क न दूप णा ला लि शिव प रा न्तो द्व स्मान मिश्रो विवेक्षित म त ग म न का र्य स्पशिवनका लोग तो ज्ना इतीव व सवे रो पं तु त्र ला स्र ज न ज नः ग ा द
२९ स व ता मा वे ता शिव सा प न मा त्म नः कु भ जा नो र न स्वप ष्टा नी नं रा कु ति नि प प्र तव बा ला सा मा क्रा ता कु सी ता उ ज्ञा वे त सा नवि न ना म मन्दा ते ज्ञा सूक्ष्मा क लप त्र वि व उ त्रु त नि कि पा व क्रे तु मे
स्रो त्र क स्ता त्र मः म न्दे खन पा र उं दे न तिं क र्मिवा ा ता शिव त कि की ती ता सा यो ह्मा पा प तु स र्वा इतीव ब सा वे सो पं व क्रा न्तो व्र मनं शिनः दे ला प ज्ञा स्प नो सी न व तिं स बौत्र मो व्र मा ज्ञ ना सं
शिवबालो पं ना जी र प छा वी त लो द्वि ती प राजु न नी रा स्व द मे व न स्वाप नः इतीव ग म नं व के आ नु द स्रो स्सा नै स्सा नैः वी न मा दे खना मा नो ना सी तु तो इ बो हु कं व स वे रो म दा ते ज्ञा न स्पा पा ज्ञा त स्थि त भु र्वमा गा नि
स्सा रे ता न म नं क्रि प ते म पा व का न उं त कं स्वी मा ज पा र से प कृ क्ष मि त स्सा त शिव स्थान ता मा ते ता स्स ल ज्ञा स्प प नं प ना ज्ञा प प ञ्चि व लो का ना मं नं मं र ज वा व सा ज्ञ ना स्वे ब्र न मा न्ता के शिव स क्रै प ना प शा

Jangamwadi Mutt Palm Leaf Collection

Digitized by eGangotri

[illegible]

Jangamwadi Mutt Palm Leaf Collection

Digitized by eGangotri

Jangamwadi Mutt Palm Leaf Collection

Digitized by eGangotri

Jangamwadi Mutt Palm Leaf Collection

Digitized by eGangotri

[illegible]

Jangamwadi Mutt Palm Leaf Collection

Digitized by eGangotri

[illegible]

Jangamwadi Mutt Palm Leaf Collection

Digitized by eGangotri

[illegible]
[illegible]
[illegible] [illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

Jangamwadi Mutt Palm Leaf Collection

Digitized by eGangotri

[illegible]

Jangamwadi Mutt Palm Leaf Collection

Digitized by eGangotri

समन्नाक्रतो मायया मो मदितां तमा संस्था प्रवृत्तां प्राकृतैर्वन्नन क नो तत्र क. तं. का यं श्रीमन्न स्तेन. स सं ताता स. तां न्नप्ता न गुरु सैतैं मे श्री युं. नु कुंभ ते मात: स्व अन ना ना लो ज्ञान रूपं सत्त्व यो गा स्व मा गा अस्मि ते
विश्वेविद्वन्ने विद्यालाप्य ने म गुरु ति कालेन कालेविलस्रो श्री न स्व वदति तस्मात्तिज्जन प न न सस्व तम्. तस्तत्र प ता. न व म अन्ना मिंता नां. दृ स्ता. व. ता तु वैकामिता नांस्ते व. कीव स्वयं नित्यु मो तत्वं ति न तासा तां वि. व तसमे गस्तु श्री
उते विस्मयातत्का कथं विद्विभस्व तत्स्य. व. म. लो वा स. म नो व न न. मां ला न स्ता व तो का ना. सा ता नं. सा विद्य स्प. अ स्य. उ ओ लेन विंतं न रुमे क्ष्माति नैत्र प ता. स रूप नुत्य न त सं नं. प्रवदति च. ता तत्त्व न गु
२९ पे तस्मा गमा ण तेषां तो भव्व स्पं. दु या सि न्वादि मः मोक्ष स्त चा ते श्रो मा न स्मा का स्तुयो वं वा सर्व व न. स न्त्र बाहु मन मं. व स्व तता. स्पे न ता नमः व स्म वि स्व न्या य त नं. म न्ता सु श्रा स्तु मि त नं.
ता. तद्व स्मात. त्वमेव तता माय स्व न सु गुरु न्मादि रवं. म न व. का रा ता त ब्रह्म न निं सादा सर्व ह. विद्युभुः स्याता। मे उ नं ला म न मनो त्वं. तो नाम स्व सा न त न: तो ग स्व स्त्र
वस्तु नाम न्नादी ना. मद्दा मनो नासौ विल सं स्व तास्व तां त्वा द. स्ता. विद्य: अ न त स्व स्प के लं. व स्व. मे यो व त त्तु त: म यो वस्य ति मा ज्ञो ति भ नि ना स. स्म भ स्तु तो भातो द म व पं. ब्रस्त नस्ति तं. न तस्य ते वा मा न वे वा दमि तस्सा
वा स्वा विवं. मो: व्रज स्व तौ लो के स्ता स न स्प मनु ता नो द मन ने व दि मंस स्ते व म ता ति आत्म सं नौ स्व न द मे व न नो म स्व ता ज्ञानो ब्र. वि द्व मे तस्मि स्वा द मे व न स्प रा ना: प्र मा न मो वि स्व कि स्व प्र तु नो द न्दि ना स्ना

Jangamwadi Mutt Palm Leaf Collection

Digitized by eGangotri

यः ॥ पतोदं शवुउपोदमत्तिज्ञोदं स शास्त्री वात । पाति पानैव मे जन्तः अवि तानुतरा क्रिमाणी भवतु देव परश्च मे आदिदीनः सुगो मद । विद्वक्त देदस्य कलं ज्ञाना देत ब्रह्मा नवं वेत्रा मम न को ऽपस्त न स्व
नुपं सागारी वं । काने कैवेंदसं स्वैस्वबे पोदं नसापनः अद मे वदिवे गं त कर्ति वे ताद्यविन्द्रो । नभेषु गां व पापं व मममनारोनव पते । ममअज्ञा रानीं दाने । द्रुपाति मतिस्य पा । नमेतु मनदापोजनते ओ वा रुस्व
मेनदानवां बनं व दक्लाला मःनो ममनवपते । पे वं ग दारापं सां बं वदित्वापन भेस्व नं । निब्रूलं नक्रु पं सं तुं स्वर्वते दविवर्द्धतं । समस्तस्यान्तु तं वृ विख्यातीतं ननामपं । ययाततयन मेरा नं सा
गजं दे कविच दं । पेत द्वि पातिगमने ऋनाम । रातनु द्विप । गोणीतेरात तु जी पसोग्नि भुतोतवे तं भाजास्य ना पा नादि कातना पा बुद्धत्तदं दिकार लोगु उलसोचगमनातृतोतनवतिमानवृः तस्मादुनु
तिसं हुन्नो तस्मरा व्यामुर्ये पजवणा स्तीमनर्तं वा सनं मं सं यताविनवडसनस्मा पमा नोमदामं लमश लिं गर्वनेनतः मोसस्वनम वो ब्रोतिनातकापविसोनाग । मतः कमनद्विता गान्मो
समाप्नोति तत्वविता । इतिबस्ववकुमां नस्थान नोजी पमानं स्वव म कत्वबसनीं व्यादन गोनाम सोपं सवलस्य दल्यावक्जी पमानं दि सामा म नववनुन तिमो गमं नास स्नानामिवा सीता । — यउ तसी बस्य पुनागोस्थः
ना गस्मसं वादे स्युउपयं हो वहोप्पापः ॥ — प अ गस्प्रः पे वन्सी बस्य वे रोन पो क्रं सर्वा छिद्रोपकं । तरा कागरिस ताम न्पो मम कु वति ते द्विजाः । येतद्रूप वं मदा ता गवि स्त नेगावउ जना स्पो वं अव स्स्तं मसा

Jangamwadi Mutt Palm Leaf Collection

Digitized by eGangotri

स्मादिकृत्यानेन्मनिस्तं प्रतन्नीजडाननः॥ अज्ञादिकाल मानस्नवतनिर्दिवस्य मीदृश्यं तत्वज्ञातामदात्मानो ज्ञा स्वा प्राखमदर्जनः॥ किमेतन्मिन ज्ञानंनि मत्वपानर्वृत्ता जितं वैदिकानकु वा ज्ञानं स्वाभस्मान्मिमदान्धने। तत्र तु जावितु
ज्ञाछिंश्वारती वस्लावेरवन। अशब्दर्भं मदा तानं ब्राह्मणं त नमं पन्नं पितालो पनमीते नंनतस्मा प्या पमीतवै। पेव मेव स्तुतिः पादु नाना प्राव स्लावेरवन। आत न्दीमञ्जे श्रेष्ठ कर्मस्थि वादत्नाम्स्यदा। कमौ पिनमजं स्वेडा न तन्मागातपनि तोसवे
८२ ता। कृतोपननमनः पुत्रो वृद्ध्वा प्रश्नेवं वृती। अपीत्रवेरवे दानं गस्य वशा स्वा चप्ति ननः। अज ज्ञानस्म गुणाल तेजार्दस्थस्य मनमं गार्दस्थपात्रवनीत्रवा वानप्रस्थस्य स्नानात्ते ता। इत्येतद्वनं द्युत्वा ब्राह्मणानां स्नातानं तने। प्रा
दग्धतीनमा वा वा पश्चं दस्यं ढाव स्लावेरवनः। स्नाना स्ना स पमाने तत्कृमत्वा गोव रोमनः। स्नानास्नातस्य पमान्मतीस्वदको। तितपतात्मनः। विदिव्यं वैद स्य कर्मनोदनाल रूपाणं पत्नं पनि तन्मं मैत्रि कं कामभं तन्कृ मं
ततफला स्नमनं न खादि कामनाखं त मल्किन्तत्व प्रवर्त तं स्थ गी का मोमकृतर्ति वा स्व प्रा ज्ञानि मजि वै। तु न तानीजि कर्मणि ताकाम्ना न कृगितानि वौतानि कर्मणि तिपात्र्यानि प्रोक्तं ते वेदविन्तमैः। तु पत्नागेन नस्था पादि
तिनेभिन्नं नं स्मतत्वपाव क्लीवं अग्निदोत्रं कृदोतीति व दः पन्न तद्वै तत्कर्मनित्यं स्या पाव ज्ञीवन रस्तुतैः। तद्यो वा दन दः स्नान्या
कर्मनित्यत्ववोल कणमावज्ञीवमित्यं कर्मकानो मीतिस्रतानं तने। स्नं कल्पकर्मकर्तामनः स्याते वस्य स्या ज्ञीवनेश्च पत्र भेव प्रतितत्मागाव की तीतिं वेद्य स्नः। वैलस्या कर्मतास्या गोवं नैव न तोमदि कन्यपतिनपा तित्यमितवेत्र दस्नं
पतनं कृति तास्ता स्प स्वावने वो ड रीयदातान्यदौ। ज्ञा म्ना मवा क्व वदितौ तस्वैत त्स्मपवर्तनिं। अंगीकृत्य जा कर्मनत कृते मदि मन्म तः। ज्ञाव की तीति दिशै मज्ञा व राशै कृत्य न दं अंगीकृतान्यं त्रमा गौ द जं गीकन

Jangamwadi Mutt Palm Leaf Collection

Digitized by eGangotri

[illegible]

Jangamwadi Mutt Palm Leaf Collection

Digitized by eGangotri

[illegible]

Jangamwadi Mutt Palm Leaf Collection

Digitized by eGangotri

Jangamwadi Mutt Palm Leaf Collection

Digitized by eGangotri

[illegible]

Jangamwadi Mutt Palm Leaf Collection

Digitized by eGangotri

Jangamwadi Mutt Palm Leaf Collection

Digitized by eGangotri

२०

Jangamwadi Mutt Palm Leaf Collection

Digitized by eGangotri

[illegible]

Jangamwadi Mutt Palm Leaf Collection

Digitized by eGangotri

गाभरगपाबलावेरा॰लतापकिंनगरुपमास्थितः पुर्वन्दो सितं॰वलमागतः। ताद्दान्तुपमास्थापदाब्ध॰प्रतकक्तगामतं॰गुरुगासं॰गमेरोनस्थ स्यात्सलतार्णपासं॰गमेसाल ग॰प्राप्तदोवत्तमैचने कसाः॥ कुवालकर्तिब्जमालाल

गुरुरुपुजतोनतः॥ निसं॰लनं॰व॰यज्ञोनसू गतपादा॰भुअदु प॥।—प्रइतिश्लोबसवकेमात॰बोदितु॰वागतास्प्रेदानपरुमगसोवां॰दृशुगु भुक्तं॰लुनावादिवदरनसौनोञ्जोज्ञी तरासखा छीआतं॰स्तुबद्धमननगालात्प्रस्थितेनवदशः॥ —प्रइति

सोबस्लवतुनातोकुमानागस्मसं॰वारे आज्ञमौलामः॥ ॥सोम—पर्सोजनस्मः॥ शिवपुत्रमदातागसर्वरास्क्षाछीपान गातारकपुमसारोबरसोगर्वनिवान गातातः कितत्तवत्रस्तबलवेसं स्पन्नी मतः॥ वतनिंपारसं॰त

ऊलमासोनवरपतो॥ सोपजाननः॥ वसावेरवरव तां॰त॰वसाभिरुगतापसां॥ बसवेरोमदापाउ सं॰गमेराणते केस्थितो। मदावत्तापिसभा कां॰तोखनरेवोतवनु नोसर्वरात्क्षाघतितवसोसर्वकोगेर्जुं॰

लनः॥ सं॰णी आमानोनोगेगाबलरेदोमदासतिः॥ बिक्रमल स्माां॰तिकं॰गदानदसीरमत्तावतातो तोबिक्रमलसर्वरुनीतिरास्क्षपनामता। तवारुरोदिशानोस्मि मातिकालनितुपमो। तद्यानिकं॰विवुसाभिनंहि मेघतितासा

तो॥ उनालारउआऊं॰नोनओविकोनसं॰रा मः॥ तवसाविकस गर्मेदं॰तालन्॰राऔानवापरः॥ बसवेराकुमानोम॰सर्वकार्यविरान॥ः॥ सर्वरास्क्षा छीतवशं॰स्मुरस्लदुलिर्वनानजः॥ गतुरु अस्मोदिशनोतिरास्वविरगाद॥ स्तुरसमाप्तीव

वानरुः॰नरमभवितुद्ववलःसलरेवसाविवरस्न मतवतीतिदताासतो। चेचपितक्तःतुरालाब्रावराप्तानंत्रा॰ विसातगादातमानमभदानाकालवं॰ स्वरंधं॰तवपाति। तस्मिन्नं॰विवरेआतेवृत्तपालसपरलासवेताबोलितोमं॰

Jangamwadi Mutt Palm Leaf Collection

Digitized by eGangotri

विवर्मिताबलोवेनलीमसावि अनलस्य र्वमालोसतद्येव ऊनवाणान द०वृत्तिखल्वोप्य मनाप्मा० स्पर्वकामव रसानदान।स्तुस्स०रदानस्तु०नाद कौसल्या चन्द्र ऊ.ता.ना.आकुंप म०विताावतान्यादग०तानपाग ना।स०ग मेता०तकेता लोनी वो
गतः षताप वासा।ज्वल ज्वलनस०का चाःस्तु मकोहि साम भूतिः।वस्पवे सोमकाषाक्ष स्पधातो तं आवनाला।श्रुः प०गहुलसीष्य०दवलः कृतिप मे छुताःतत्वस्पितमसाखा ऊःवस्पवे रा०मसामति ओ नीयवमतेन स्नान पद्य० म ऊर्तिकल
इति तेजस्य मादिशा म०विगो मपृ न०अ स्यातेन गवाम … सारेव०स०न मेस०निनीत्त्वावा।तस्योहाव०सभावकृ न्धावित्तवविस्य न०गात तस्यां म०स्या तु०सावेन … दसी र०वत्तानि नेवसावेसमदात्तागत्वस्पनु सेदिव०गताःश्च
सालोगिमद्वानाओः कीर्तिस्तानश्चतापवासा।वलदेवा … लपते त्वां०नस्वकामानिवेवितु०ातदादिक्षाव प०सर्वेव र०तिकृजपानताःमदानाक्षा०ति रु०त्री … प्य०गत्कुत्वमनु नाथ तो।इत्युक्तोवस्पवे सोपिपृतुनावनपद्यो।
पत०।श्रुतुल०प्याघिवाद्यदिनकाले मऊ पस्चितम०त … रुकालेततृतु श्रेपमजतिव कामऊ गः पनेम्मतः घातः सम हापानुनोरुनाशा मवापनवाक्य स्येस्य … दगछाम स्तोत्रात्वमनु नासमो। वस्यामन्तिाः स्पर्वाश्वस्य
वे सोमदामतिः।ऐकाकी सातास०लस्वगुरुप्नान पनाममाः।प्रदिस्यपृत्तो स्पधानमेतत्स्य व०आवे पतत।स०गमे तास्य ताम्नाणिस्पर्वशोपाऊवह्वपु०।पृद स्य व्रत स०न्त्रोवत्ताणे व्रस्पवेव्वन०गत्कुमत्कुमदा पाऊ सीप्य०त्व०
वि अनला०तिक०ामतो पद्र स्पमाना छ०ऊणर्वक्षुदि विस्मन।प्रागातनपेपस्पपाप्ते न स्पऊतब०मदामते।ऊ०गीकृत०ड्रेत०स्य व०रो व०सावीघ्रि र०पन०मा कृते व०प्रमा देनपद्गि ते र०वनीतासाः।ततोस०प्राघितस्य

Jangamwadi Mutt Palm Leaf Collection

Digitized by eGangotri

२२

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

Jangamwadi Mutt Palm Leaf Collection

Digitized by eGangotri

तु कमोत दानुगां विरसा वेरा मदो ज्वलनु तावपगजातु [illegible] तु जा मानुषितो। स्वावतु स्वानजा त्यां तु वै अनं दे रामा स्थितो। नतो पवित्र मना जाम्बुरा वेरा मधा भ्रवी तु। बला वेरा मना चारु [illegible] मनमनं पनं बलं दे वो न धा [illegible] रा

सप धावी मि भां लभ मार्गे कनितो [illegible] सापह्र वर्जितः। तो भावि मर्न तो मं विल पालपे [illegible] कोरा गारमि [illegible] विरामतं नरु रामः। बला निवनुनं पाविवी मा निनता रामः। [illegible] मं लिव [illegible] सतता रासा कानि ला सत ता। बकु

नास्त [illegible] तैन नाजाद वरा वेस्वना। [illegible] वर्ते मः नातका मवि विना न ता। वि अभ ले नै व [illegible] देव सा वेस्वनः। नाजा पिनला वे रास्वस्त मागमता। तिदव तो। न [illegible] वन्तुं गावलै [illegible] तो प

देवे दुर्गा [illegible] नी वो तैरो न त भानौ नरा पनं। नतः कृ ला ता ता न ग नं रां या स्रो ना अ मं वि गो। स्वाः नः [illegible] नाना लासं [illegible] मतो व लवे [illegible] वे रा व सा वे स्वनः॥ —पतन्न [illegible]

वे स्वनः [illegible] काले [illegible] सामता नाता ल कां [illegible] दव गो विवित्त वरस्व निवपै वीली हो य या दै [illegible] ग ती नै व [illegible] वा व पे स्सं ता व पं ता नि रा न नि [illegible] ला। तनां कृ धानि न [illegible] वीति नत [illegible] ज्वलः॥ — [illegible]

सावकु ना मोरस्युतु वेष [illegible] गासम्स वादे नव मो भा मः॥ —प नाग [illegible] तः व नातम वेला पामु [illegible] तो व सा वे स्वनः। घातः [illegible] वि नानारु किं च कारु वरय तो॥ [illegible] नःपआदौ ना मं [illegible] २०

Jangamwadi Mutt Palm Leaf Collection

Digitized by eGangotri

११

Jangamwadi Mutt Palm Leaf Collection

Digitized by eGangotri

Jangamwadi Mutt Palm Leaf Collection

Digitized by eGangotri

Jangamwadi Mutt Palm Leaf Collection

Digitized by eGangotri

[illegible]

Jangamwadi Mutt Palm Leaf Collection

Digitized by eGangotri

सोव॰नूकस्यवेरोनस्य॰न्स्यतोवस्यसेख्यं॥तनः कमनोक्रोनस्य न्नोकुदपगनमा॥भाष्यस्थाः॥ वं॰स्य॰स्यमत्रस्यवं॰नीनन्नेवस्यवेख्यं॥(गु)नु ध्यानवनोनिस्य॰तुल्ली मेवनस्यास्थितः॥स्थाशिमदं॰तनेपोपीधनुनीममदातवाः॥मनिमाप
गुणोपेतविमलस्यातरानीनकः॥ब्रह्मा॰डानिरामस्याने इन्द्रमालसमाभिद्यास्य॰वेरुमाताखणततन॰दृवेनागमासिद्यानमः॥स्मनुयदपनोनितान्दमावानमत्र निनुकलनकस्तकस्यदुत्रसमानमरताः॥वनः॥निर्मालि
१८ कोदुतमलः॥गणपावजेन॰तजः॥दृह्नुतक्रोलनाप्रुकाः स॰स्यानगुणावर्जितः॥दुरस्थितानाखस्युना॰नुशायोगविदुतमसः॥वृतयथैकविज्ञसमानसः॥कनुणा निलिः॥स्यमलोपगतवर्णास्तनलननं॰णास्मृतिः॥रदिः॥र
तमितस्यमः॥सीमाहतलोमानावमानयोः॥ सान्नगातमलोतेकस्यवक्षितुगावर्जितः॥वृत्तविनु वनीवोसावनलकानस्यनु पत्तास कालस्यकलननंदितोव कलगुणानकृतः॥मकेः॰नेम
लस्यास्यपवत्रोनुलनसमः॥पनमान॰दृमलन निजस्रुलन्यानस्य॰पनः॥निनावाति॥स्याकाल्न मनोनुविनमस्यकः॥स्यनिमेवस्य॥स्यस्य॰ दृनिनादृस्नमध्विनः॥स्यामगानपिवोनित्य॰स्यात्र
तान॰विषदः॥अ॰तमोनगतसोमानोनतावस्यनुपवित्रस्यानन॰तवेदवेगान्तवेनमानोमदामतिः॥सनामनामनन्दितोजिः॥रानीनःरार्चिपारानागमोपारावसोम॰तावेवान्नानवर्जितः॥वैतमोगविदावैत॰
गोगातीतक्रियाविवतः॥लोकतपोलस्यमागोतक्रोसर्वस्यनुपल स्यासर्वकाप्रितिस॰ताभलि॰नुपनिनीरपा॥६॥लिं॰गेरुपां॰न॰दकेल्पार्वस्यतानस्युपवाद॥स्यमामातःवृत्सेलोवस्यवेरागलानव

Jangamwadi Mutt Palm Leaf Collection

Digitized by eGangotri

Jangamwadi Mutt Palm Leaf Collection

Digitized by eGangotri

२८

Jangamwadi Mutt Palm Leaf Collection

Digitized by eGangotri

[illegible]

Jangamwadi Mutt Palm Leaf Collection

Digitized by eGangotri

१२

Jangamwadi Mutt Palm Leaf Collection

Digitized by eGangotri

[illegible]

Jangamwadi Mutt Palm Leaf Collection

Digitized by eGangotri

[illegible]

Jangamwadi Mutt Palm Leaf Collection

Digitized by eGangotri

सोमपद्या

दत्तौ घनुः। मोदमामात मोनादिक्रिह्यापविवृ साततमः। दे देः द्रमादित्यं तां तं नासदिवा कहासतः। स्यात्तज्ञानं दीतस्ती मदानावा मसन्नमः। पे वन्त द्वोमितश्री मातृस्थनेसो मदामनिः। अतिकृस्नद् सालिंमे स्वधाता। नवदिवेराज ता। कु
सेनद्र नतानानं लिं गं प्रातोभ नं दुस्रोवि लीत स्यं स्थित सुस्नीं वुद्धान्नं ये कततनः। अन्तमोनिं नतः। स्रीमानत्मानवानमतक्ष्मृतिः। अनुनागनरसा सौतैनन प्यैः ग्रन छोः स्वदाः स्यं विष्णु सरसास्वाम्लालसो स्वसदस्यं स्थितः। कलनं
दिश्वलवाणं कार्तुरं वद्धन्नं मुनंतन्दुनाठवस्वः। कन काद्व वाविन्मो। स्यान्मो नां गवदीन स्स द्वितैः व सलेरवनः। मेवकुंतिमदात्मानः। घत्तोमा दात्मभूत्रमं
वज्ञानमाक्षु वंतनस्यं सामः॥ — पघनुवरनसानो मौतु तमतमं तस्य नं नस मतनस मिल्लावा कानु पं मदार्दनमन दावलु समज्ञो निस्वलव्यानमा मेसिता स्वतनं तु घनमघीतमानेमां मनमां गतिं मं गां मे वैके
तोस्वनु न व्यं छो कुमाता नक्षत्रसं वादेत मोरसोमो मः॥ — पज्ञानस्मः पमनुमोदिस्सोतु मन्तिमघ तावं वस वैरितुः। मदात्मेन मसातानततघत्ता मनु मदिद्दमोलोवनेमोलमिता॥ — पइतिसो वसवघना
मर्ग्यदिशनादाकामनामोममोतु तां घनुः सर्वापी कोवि द्र। पेतस्मिन्नि वसेन मोठ सावैदिं ठ नातिकः। अव मन्द स्वग देतस्योसेवतत्कोनते कुसः। मनस्यादनता स्योनाविविर स्वरूपा नन्दिनवातीकालं गकलितां न तनिं
गद्वाव सं ज्ञास्तवे सं तदास्वाघतो मूर्त्तिमकाम्पिताः। तां द्रहावसवेरो पिमं ठं मं दंविदसव। अघवेसमिदं नमं मतानानमलिं मनां नतव तोपिमदावो नरिछलं नां गसं गनः। तिझ्रुव मतमनीताः ठ अं

Jangamwadi Mutt Palm Leaf Collection

Digitized by eGangotri

तं॰ कुत्सेक्षना: तेतिस्तो ता भक्तो वो ना भवास्गी मं॰ कर्द्धिं॰ तमहो। अस्मत् तें॰ फिम् कर्तक्रं॰ वस्वेस्वन दस्त केंश। रेवताव्यचोस्मान्दुष भस्त्र मनता॰ नद्दो यतिनं॰ नुंन रातेनेस्त्रि तिष्ठतमो वस्यवान्कि के। इतेनिरस्त वस्ला व मन स्वाऊ नविशा स्वतस्के नाम

सालाह रानुनाक्रि माञ्जि देवोनात्तु कृतिरेकनाद्यवस्य वेस्वनमादा तमसस्य आतक्रिङ्गे। रावलिं॰ ना निमा तानि वेलां॰ वलनतान्निद्राक्ष तन्म वं॰ वीस्वस्तेवास्मेव स्यनेरां॰ तक्रस्मि ता:॥ वेरस्म ता न तमनस्यसुराद्वर्वस्य वेस्ननवा तातेक्रो अं॰ ना अङ्का द कि मे ते विस्व

२८ म॰ वत्ते॥-पञ्चनानत्ति चनस्तो मा न स्यं॰स्य स्यं॰ नरती नितः। अतृक्षास्था ननं॰ लिं॰ नं॰ नृत्ते न कानान नाकरानिक्षावनानानां॰ नपोते सा॰ तनं॰ वनं॰ मूलता कुतमे सूत्रसलदता नेत्तस्य स्वता नत तो मम्या कुसम मनोरथ

वल्लेश ता भ॰ ल स्वक्षकान अन्नाद्वाक्ता कुमावचनं॰ मं॰ वेत्ता वेनी मतां॰ वनेशरा वलिं॰ न न भरका न भरलानेव तुम्भातो। रावाल मं॰ वं॰ तन थं॰ तत तनवति म्ना वनशवते ज्ञसंवमेराति नने वतनं॰ नगोनवं॰ सं॰ यो

मल्लेय नताम्पानेल मेतावत्ति अस्ततो। स्कानी त्व नोगि ज्ञाला नि दन मिनेते रिवालु नातस्मि वेलं॰ गुनवता वस्मध्रं॰ सं॰ स्मा। गस्मिस्त नं॰ सतत सं॰ ग॰ तिने स ताधीतु अवेनति मनाधुमानुनेव तते लं॰ मं॰ रावाल

क धता॥ तमाकुनतनं॰ तवने॰ मं॰ नमरसत्ता रने स्लभुन्नुम तां॰ त्वया। आकागविवतनं॰ तेजा॰ यथों देवालयानां॰ नानतनःयतरीं ताव त्वमश्चिव तिं॰ नं॰ नला मनतत्व मत्त कुमानुनतनो गौति नारीरत्न वाल वेणचले

कोलकाल है रैलंन्गे उपवत्वं॰ नेति तं॰ वस्याप्तेभं॰ तल्लिं॰ नं॰ स्यावनरंस्रो वल्लेस्तो मल्लिकार्जुनं॰ रतिन शिकं मग मतना नत्तं॰ मनो कुनो॥——पस्तौ॥ तक्रुत्वाव मत्तालानं॰ तत्त्वे रावद्धावाव ताता। रं॰ सुरीव तश्रीना॰ नरिस्वमनो

स्मदाचो रं॰ पनवं॰ जादसे सों॰ भवनमसका याः॰ पाय पताशनीं। गो पालकृनरा॰ आतःक्राहको हरेतीन तः। अ अंस्यद्वि ऊता तुलवञ्च मा ना यस्य तवनं॰ आ यन्वनेतिव स्या। सार तिन स्वेतमन्नं तस्या। अ तिप

Jangamwadi Mutt Palm Leaf Collection

Digitized by eGangotri

[illegible]

Jangamwadi Mutt Palm Leaf Collection

Digitized by eGangotri

२०.

[illegible]

Jangamwadi Mutt Palm Leaf Collection

Digitized by eGangotri

६४

Jangamwadi Mutt Palm Leaf Collection

Digitized by eGangotri

२०

Jangamwadi Mutt Palm Leaf Collection

Digitized by eGangotri

[illegible]

Jangamwadi Mutt Palm Leaf Collection

Digitized by eGangotri

ई
३२

वंसोपणं व स्नव व वनं स्लस्म गं तीनतावं सं श्रीत स्म न्नत न विपणं श्राव वं ग्गर्भड्र ऽ॥ —— नकतिसीवस व्रुनातो स्वुत पथं यंत्रेकमानाग स्त्रस लग्राद्रे वनर्नसोव्याथः॥ —— पाध्य —— पश्रीग स्त्सेगावस वेरवन मा
दा त्वमं सर्वपापनिकृंतनं स्तोत्रमिष्टा मानदंत्रु यः कृपाया व रमेश्वत्तो॥ कु मानः॥ स्वुगति न वर्गदं नणा मनविरंम यका नताणव्रस वेरवन मादात्वव्रं व लामि स्तुतकं त आकपाविल सवेरो। पं वक्रलां ते कस्तं स्पतः॥
सनोश स्तानचा मा सबालेत्ल श्रेव नलस्त पणसाता सारोदिकलस्व नादसीवस वेरवनं मोति कक्तं कर्मसर्वलो तैं कागदे तं दक्ष न रमवन्तः॥ त्वा वक्रसन्व सवेरवन॥ अरि गणतमं तेलं कपितारपं
मदीतलेत भस्त ताव सत्वदिव स्नान रात्वा पको वं दशस्तन सं कुसमा मा सबतमे कं मदातुतणरा नीपद्मनेः॥ गीगेन सं न्तं नपारनैत व्रत्न यं स्ना पवयामे तस्निंनं सो केवड्रमित णरे वं सं कतपम
पोगीं द्वस्वक नोद्व न्त दंत णा॥ दीनेः करिमितानुमित्वित लंना त्तिक स्थि ताततं नसना रापा तात कताड्र शनां पनातोप कल्माणं झूषोती स्वन तारनता सती॥ तरपतपारात रातन्नीस्व हन सातत तण ना॥
वं को राव स वे सेत द्रुविवान मतं द्रुता तस्मा स्लं न स कायं प्रसार्थ वक्रनद्र यं मातेबो पिनिता द्भावाचा यदुणव्रं नत्ति निश्री॥ स्वत तानवेवपासर्थवि कलो गोपि कान्ति नं तना दुतावसा गो पी वि कलार्विक मा पलो नाग तां
गोपि कां द्रस्वावाक्ताव्वि कलालि पशत ह्राव्दं प्य मामाना सेसावन वर्तिनी॥ जड्र कव स वेरोनजृ तें वे स्म नाव तव वजिकाले सं वा तेश्रृ ना यं वनं ग तशरीवक्रा श्रृ नानि सं न वि नाति तेन नना ग मवेता

Jangamwadi Mutt Palm Leaf Collection

Digitized by eGangotri

Jangamwadi Mutt Palm Leaf Collection

Digitized by eGangotri

२२

[illegible]

Jangamwadi Mutt Palm Leaf Collection

Digitized by eGangotri

Jangamwadi Mutt Palm Leaf Collection

Digitized by eGangotri

२४

Jangamwadi Mutt Palm Leaf Collection

Digitized by eGangotri

Jangamwadi Mutt Palm Leaf Collection

Digitized by eGangotri

२७

Jangamwadi Mutt Palm Leaf Collection

Digitized by eGangotri

[illegible]

Jangamwadi Mutt Palm Leaf Collection

Digitized by eGangotri

२९ [illegible]

Jangamwadi Mutt Palm Leaf Collection

Digitized by eGangotri

८ तिनामेकस्मिवततो ऽतेन्द्र प ः । उर्निदिकाले संप्राप्तो तत्तीजा जतिस्तं काले । आगु प्रविवतक्तौ आपूर्णं आतीतं ननंर तो । तद्यैव मानकः कंनानु नामे कोतत मुस्यपत्न्या सन्नमः ॥ तेवि वाद्यस्त्रामपो तत्के नै केन पावितः । न
स्मा स्तिनोस्नु दा स्वाकीन्नु रान्हित्वादसोतदा । इतित्तक्रावनं श्चो क्ता वस्वावेराश्ततास्य तः । वे रथा कापित्तवे नैव गन्दी त्वावस्व सं वप्र । निप्रदीमोद मानस्तां दवि वेरा नत्ति काग दुग्वस्वावे स्वनस्तु तन्ता गन्या । लावता नं
मृत्तमणत्रगुनमतवत्तत्वधीत्वानृगुणे नोदनात । वरत्मे वं तक्ता गतो गं गां वावनव गिनी । नीलनीनन्तु स्फार्नी के दाना रावितो ति ता । नीलोत्पल सा भानात्त नेत्र वंद्र विना हिता । अर्घ वं वुललाहा दिनाकावं
उनितानना । राक्षिमीवीम सं कारा दं तकान्ति विनाहिता । निलयन्तु नस्तं कारानाताउ हविरो निता । वं वि कापरल स्पं कारान दजनु दम ं उता । कंवु उं वरन्नकाग्निनल कान्ति विनाहिता ।
कंतिनीकं तत्वं रोतिक्न वत्वं उस्ममाद्दितामना तीरे रोपदर्शितनं गावती वनान्ना । इं उनीलप्रतास्य भितो मनाकृताम्ना । लोक नस्वोत्ति सं ताना कुं कत्तीव तमेरवला । नं ताक्ष मं ते
समानोनुप्रो राकविकासानी । उ ं त तमं ऋत्य सं कारा प्रदवदवि तो तिता । नाम ं मीर्न क्ता णसुगित्ताते वन्दिका स्यापपाव ं तः ॥ नं सा श्रीस्वस्ती नि ः पद वानिता । वस्याकेन्वनस्तात्त कौ पत्ताव ं के सा मं ततः । काप्त
मानेन्द्र वेदुस्वगीलो केमदीतले । तेअं ःपत्हल मातमीपं सं को वं प्राप्नु मातपनं । इतिसं वि ं तामनस्तातान्नुमानपस्विमां वुणौ । पतं नि वमतीस्त्यो पमस्तं न्य दतनस्ता । अस्तं ना तेत्रा तुस

Jangamwadi Mutt Palm Leaf Collection

Digitized by eGangotri

मिते स्तनो ज्ञानिस्म मं तं ततः । आद्य वर्णि दिस्तं कोनं नि नङ्ः पक्ष्मा र मधु नुः पक्ष्व मद्दा नावाः नन मे स्वन मं दिनो ग देग देतक्ष स्तं प्य दी यमाने स्वं गं ल्तिः उपजु मैस्व स्तं आत व्यनाम लि नि नाउ ना । अं ल कान नता

मात्म मनुपा लि दि ग तनन त मनिं ता मतो स्म स्ता व स्ता वे रा स्त ली मतः । अपव कं ग्ं गना र नु गि नि क्ता इ व ने ग्नि नो । मा न का रेव न तो ता ग प्ता सीता त न नो व मः । उपा दु नु क ना अस्त मे ष्वं द तं त्ति व रू मा । रा नो व ह्वे र नक्त

22 स्ता क ता वा मो दि त्तीन तेः । ना व ता स्ता नि जल नंची ग म नि दि व स्त तेः । ज्ञा वा नि अन्नो ना ता तं वा लो क्ष्मा वें त स्तां । कवीना ंभ नि दी ना नां ग ता नो नो स्मा तो लेः । त त स्वं ओ र मे ज्ञा ते व स्ता वे रो न ली मना ।

स्त सू क्षी व्ता म ति ना अनु ज्ञा ना स्त्सां द सू राः । सर्वे स्तं नु म ल सु ज्ञा न पु वै रमा ग ज्ञा न्न ति । स्तं ग ल के मित्र जा ति के वि ता स्तु नि ज्ञं त ता कं र नं र त घा कै वि नै वि द्वौ । हौ व म नं त घा । वे

रो पत्तो ग लो ग्मा नि व स्तु ज्ञान मानि के न ना तः रक्षा मु दि त सी मा त म मू क्ष स्तं गो म दा म तिः । ब स्ता वे रा तिक ग वा षो वा न व न मा न्द्वि तेः । व स्त वे रा म दा ना अ रा व त ता इ भ प ने उक्ता न्का

नि स्तं ग न्त ग्र ह्नं ति नृ ति कां ग द्धा मा त न स्तं न्द्व मां स्त का ग्न व स्तं त्ते ते म दे स्व नाः । मा तो द स्त व उ आ र्थं न ज्ञा भ न ति कां ग स्त ने त दु व न मा का र्थ मु न्न स्तं ग ने न ता नि तं मं रं मं रं ग्र द स्मा स्तो व स्त वो रं उ ना म क भु गा ती

नी त म या पा सु म न्न स्तं ग र मा नि ने इं त म ज्ञा त न तो र्व वे नि नि पि ता न स्तं ग मं न स्य न तेः । न प पा मा स ग ति का म दे व घ ता त वे का । उ प स्तं प ज्ञां पी नो न तप पो ल न्ना ण द तीं ता । लेख का न्व ति ता ॥ ६ ॥

Jangamwadi Mutt Palm Leaf Collection

Digitized by eGangotri

बोध्यस्तलिनीं दृष्ट्वा यस्थिता वेदमां हस्तां स्पोण्नः। के मंबालाबं उक्तं सौउक्तमनानुवं तां। नमनी मेनकानापिस्तानीवातिलो न्ना मा। उतिस्थं विन्मामानो स्यो कुक्षीतस्यो न लक्ष्मे नो च तध्या मानिवेगेन लसा बा
लावनवर्तिनी। नानानत्र यतो ये तं वितानास्तुअं मदो भ्रल नेसं स्तु उलि स पो ये तं वक्रु रीपोण स्तोतितं अवे रापितास्तां गेरा श्रीउ गानं मदत्र नं जर्ल्पना यानि विलितं कुअ मा मास्त मानिनी। तमास्यं कुर्मते स्तं गो मनसी थं
कार्यं तमता। कर्तकां रावलिं नस्ता क्ष अनं मोस कोनातां ततम्प्रकादं लोदेरो कत्वा कल्पन मासनं स्तम्भवशस्तव लस्तं गक्षनवश्चं पन क मो कुर्तिम्नस्स्तं गमेरो पिप्राद वा लामनिं दितावत्य मान।
ला मतितस्म कृतितां लंतणाव नंजु सस्तंगे न स्नावश्राद स्तं नी घादवालिका। पूर्वं तत स्तमा नमनीतत समरतो म मानुज्ञासमानिकाः केंकेन रामं लेकृतस्तवालव गातोरजतीनो घ्रानुमसान
वताल्तांः सीनाक्षिमातांः स्तं रात्रांः त्रासास मसाल्तांः वक्र कालन्तत्वे स्तं ओ तम स्त ताहमे। स्तविवन कृतस्ते नास्तानुज्ञासला नताः पे तद्वुलामक्रं वाक्तं कृत्व हश्नं त्वमानण्णे। स्वर्ग
स्मितमस्तोघादस्तं गं स्तं गवविह्नितं। ते वा हं न सभा वक्रुं नास्तानु ज्ञा सला न ता ता। मतस्स लं तत्तते तक्षि वक्रुं रे वाख्वनर स आः। पे ततलो क्षं तां ता स्तर्व मन्वा न स्तम्ता मितम नं।
उज्ञामरं उवज्जु मौ तस्माच्च के नम स्व सपाणत्त वज्जु वनः कौन स्तं प नामस्वतकः। पेवं रक्षा तु स्ता वालापदस्तं तीराने स्ता नेशः वामदेव स्तती स्ता श्री मौनी गुनग्नु नभाज्ञ शस्ता णावरो बे तास्मिन ॥

Jangamwadi Mutt Palm Leaf Collection

Digitized by eGangotri

२८ [illegible]

Jangamwadi Mutt Palm Leaf Collection

Digitized by eGangotri

ग्रः कृतवान स्क्षस्या द्नं ततस्सं क्रीडमानस्यन स्मार्ज तां ग्रु विडु तानस्यं तो आलापक कं कर्भ ममकृत्माबली द्रतं जातव ह्रीवं त क्रीना मा रास्यं मोदकानागसन दिव कृपादीनकु नाना मतुर्स्मनं नारसी द्रतं मदाकमंबसावे
रामहामतो तत्वकृपावेराबला क्रीडाक मोद मात्रवात। मपाडिस्व नेनमेत घान तावने पनोसी रोलेवमकाभ्र तोमे से वे स्मिन्द्विचना तनोजानात तत गौ स्थाक मुघतोद मनोदनीतवे कान मात्त कः पीततत्स्माबकुं क्तितः।
खेतत्र ग्रासमानीव नद्रोन स्युग्रास्व दा। तस्पत्त क्र स्यमा मात्मं रावोवेद्रन वापनः। द्वे तत्त्व बोपि बसाबः प्रद सं स्वगुनः। गुनः। तस्मा द्रां नु रा पद्मोमुमु रे कृतना तमपा। अड तिद्रस वकु मा नोमु
ग्रस्सं गेराव क्रो लपतमि रमरोज सोतकृ गेन पीवा। स्वमनसि वहत्ताव त्र मस्मा गे उ मकृष्णोपनलमुर मवापप्राप्त देवेव वीनः॥ –४ इति बस्वबक्ष नागो स्वं त्र प न ग्रो कृ सानागस्यसं बा द
पीडसोलपादः॥ – ५०६४ – ५ सीतानस्मेतः॥ – ५ नडानन मद्दात्तायनमस्से ताननानत का बसावेस्वन मान्त्वा स्मं स्वत विस्मम मत्तान गाना क्र रोबशिव तता ना मा दात्म वि कृत न म पाजुपो प स्तो
गेमि कृष्णभि मामात्मं बसावेरानुः॥ सीव (क) स्सः॥ सुबास गेराव कन्नं बस्वे सोप्तवस्मि तः॥ सीनवृत्तबसाव दृक्षा। रोजां। स्वा तं कि स्सं स्थितं। मो स्यमे तस्पत्त कृ स्म नाल। वकु कतु कि सः॥ मु स्सं गेरामौ स्मो स्मिन
वस्यवेरांतितापि तोसीवव्ययवसावस्य। तां स्मं घाप कतां अलिः॥ बार स्वं तीन पावाबा स्वग्रु तु बसावे स्वनन। आपामविन्ति वे राव वसावेरानमो स्रुतो पेना कृ स्य कलितानु सौ कं स्मं तं कं न माः॥ – ५

Jangamwadi Mutt Palm Leaf Collection

Digitized by eGangotri

२६

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

Jangamwadi Mutt Palm Leaf Collection

Digitized by eGangotri

मलोदितं पे तद्भवनमा कामिब्रस्तविल्वाद मं(स्त) नाः नख कालकृष्ठस्य प्राउत्तीवे नरा किंतःप तभ्रं रां अमोव्रि रो वोतमं त दमाप नद्यु नःवो वावत गव न्मुतं वा आत्र न वं आल कृश्वि वं नान्ं नाल्कु व तिवि आ नृत्मा

मानतेतवां तन्मांकिन्नु कनि आतिरोवे न वो ल्पितो ष्मेव लाते न स्मार घम मय हृः शुात्वा तन्न उ मसा वःक कमर्मितदि व त पं नातीतो व हामनाताम वस्वा सोन दि नो स्तितो न मां कतल मात्रमा मस्त कु न स्तलो वनःव ल मोद न जे पा धाव

तमुल्लुमा। तावतम दीसि मद। मा। मुन्नीत्वा व वितो वने। इतिस्म। वो ल्पितश्नेनरीवेन पनमात्मना। प ग कं छावि नं व्योव आगात्मा र नगत्व नं त्य आ मिनत त ग्रा पा न त निवृत मत क्रिमा नातीरका लमेव मा ना मुशा वा। केपि हना

तुव मं। कं वादम्य च वसामि ऽऽ मा मातामुत मन। रूविनता वनसीभा वोलनेरो मदो ह्वलेन मना तु स्पनी को र ह तत्क्षमा दिना लपे नवनं न। म श्लतम पुनं नंना नंक काती आ का तन लं न स्त

रानीनेताणं तको मलो। विक मि स्तन्नत्रे को दाके तां उम व य स्थः मे सणा मा ना रूस्तौ व मुं व ती कनि म ल्वत्ताण ग ताल तीत जो वि प्राक सतू मान न छ ना विव अमि म ना अर्थ उं क आ वन वर्तितो भूति

तपावल्ल को तु नोत क्रि त्स स व ता ता ईश्वानो वता मा तौ न म न ा उ मर्मा मनिश ल तान न व भिन्ना ता आ म उ स्कग ग ताणव नो प त तासुवलि ग मे स्नतलि न उपूं नतोत वे ता आ त स्नत आ मि पा प ता वं इन कु ण आसि

तं। इत क्रा ति ना स्ता वीनिष्क्रो ता रीवसं स्त्वितिलं श्ते वा ल प र म मी पुत्रतु त्ती मेव का वस्पिंतता न प ना उ स्म मा न ता र र दी॥ ५

Jangamwadi Mutt Palm Leaf Collection

Digitized by eGangotri

४०

Jangamwadi Mutt Palm Leaf Collection

Digitized by eGangotri

Jangamwadi Mutt Palm Leaf Collection

Digitized by eGangotri

४७

Jangamwadi Mutt Palm Leaf Collection

Digitized by eGangotri

-१-

कौउभुत्री
कथा॥

[illegible]

Jangamwadi Mutt Palm Leaf Collection

Digitized by eGangotri

दीक्ष मुक्तिक्ष्चिन्मां नवरस्त्ता दो। पितनाकागतो वेद्मि मतुर्भमनरसं राम्नः। अनस्मकं। मद्ं चा गाग्सं न दर्शं वृक्षनादनाः रुमन्नार्थं नमनतासीर्भसीत्वा स्मान मल्लवाणां। स्म ताडितं दीनोत्ताग नन्दिद्विनाम्रं दुन रा पापे ताः स्वा द मा
विस्तः पार्वतीरोमदे स्व नः। पपनःपातसुसा मातापपोदीनं परपों स्थितं। ततः श्रोतावस्मावाला रिवं लिशु वतं क्लेशं गणास्मये पद्य सौ रुं गुणाव्यनमेस्वनातारुप्ता विस्मिता रं रुनकरापापानाः इति निसिदृग्गौ दे रां पापाद्यस्थतनं
४१ प्रतिदिने दिने वोवमेन पपनःपीतं बुनाविणा। तत्पोर्दिनेऽभगतुं हगु पितनावागतावृतौ। निषां पमोघु हं बाला मा पांतीर्थाः दुर्तिनः। तामृतवृत्वमत नो निक्रमपावलवाः। तू ता। पद्मद सिद्धतमिरं दीनं केपान्नयं व पावरा। येन गुं क्रापित
तां सा जितनावाद स्वस्नेता। तवदुमेप्रकाने गाढि वान्तिकमञ्जुं नता गुणगिं पुमो पद्मं गु तीमा तापनोवस्मन्निलिनं रुपेत सुधाचितो कं तं न मः सु गोः सदंतके। नगनीत्वा पितं देवोप्य हस्यां सी
र भुत्वा लं। ततान्गं रौकरन्। पन्नाः दुरतोव मुरु कुरुः। शिवमशाचीनं वे वल्लिनं मुलिं रन्त्तनं। ततः सीनं मदे रानः। प्रपावत्वन तनन्त्रमाजिसदं गरु मगां वेकालं व्यूहं आदापदालनं। नागं नवं स्वपेतसी को।
मूर्पु गिलि लोस्नेजौ। पपन पीतं रावेने तपाउ कां बुत्वि कौ वपा। मणवा वस्त्र मितो कात नाराजर्षांः पतित्तास्य तो। अशां पापाकुमानां। भनीला भु ध्वने तस्माजवृत्तास्य विपपो नाशुं कं वं रसु तपा पिलसमां। तत्रात वत्ता। प्रं पे वः।
वितिसं पन मेस्वनः। जानः पपो कवं देवो नतं सोन भूत्वं मं। नपस्मानां पपः स्वार्थं व पादतनं। नसं राप गृतुभ्रमा मातसु स्वैवं पितनो औ पमुर्द्धितो। तु नस्माकुवानूबोलां। पितनावति विस्मतो। पने कुः चातुर

Jangamwadi Mutt Palm Leaf Collection

Digitized by eGangotri

उध्यानगतामेदं निनाकिनः। आ वा निरिक्ष बस्तु तिं सर्वं व ज्ञाति तत्व वः। इत्ति क्षौ वाल [illegible] गदं सा नं वे रात्रः। न तः यातः सम्य प्या न यादपि त्वा न लोपक्ष हुंबालमा पञ्च मना सामान्य मनः सब मं दि न लिं न सं ग्न ततः
सध्या न नमः शुभ्रि [illegible] नं न भुवि वसु य दाति मञ्जित प्रोवाच बालिको तमास्य ग्राघर्मे मा नोपि नक्स्याद् यमः शिवः। बालिका मो कल्मे अवि लं वकल्पि कल्पि मी। स्वनः। तामति क्रो नता भासः पता घादतत्र तवा भु वं क्र [illegible] वला
लापा स्वर्णा चौ भो मरं ति कौ। कृमिता नं न गद्भा। तिप न स्वत्र नतस्य तं। इति निर्त्स्पित नमा दृढं सम्य यन का मो। सा लान्त्रः स न्दि। क्षा रत्नी बु ग्नः। ग्नः। कालि नलिं गलिं गतिव लपं ती
गुरुर्गुरुः। मपा कि मपना न ते कलामे वक्र पे क्षति। पेव ना संतो का भा का पा बाला पा पनमो स्वनः। मोते चोति मदा ता गे मपि त ष्णति कि न्त म। इति लिं ग बिलं त स्यो र रि पा मा सरा। कृन ग आनं तनीता
स्वा वाला विदेशा विलुप्त ल्व गाण ततः पिता सामाग त्मद्व नमा लिं न स्य ञ्जलिं अवित भा ना नं ता बाला कृष्या केरा न्त्रा मयदीता मृशि मा तभिताः केरा। क्षा व रिक्षा स्व तात वंदा बाला लां न्निं ग गते स्मिन्व ती ना
तवद्भ लाहता र्गी मपि लिं न स्य मस्य के के राम्। व पः। मृशिमा व च मा ता न सर्व सुव न ह् रा ता त्मृ स्य। सोऽभव मा सोऽभ नम्र हो विभु नि दि नैः। कृ पाते केरा नवपा गोप का मा। ग्नः ग्नः। अनन्त म भि दं क म सर्व वि वा
स्वाकानमाण। ५ इति पनम मन्य दस्यो। गोपि का सा त्वेवं सा कल्प नवे वं मे ना व तं न क्रीम न्दिः। रे व सा वक्र। सां तो मदा तं। म सम स्व साम मनु दर्श नौ ना ग मां बान त्र अः। ५ — ५ इति सोऽब्सनन्त गाता स्व त्रु प यं

Jangamwadi Mutt Palm Leaf Collection

Digitized by eGangotri

Jangamwadi Mutt Palm Leaf Collection

Digitized by eGangotri

[illegible]

Jangamwadi Mutt Palm Leaf Collection

Digitized by eGangotri

[illegible]

Jangamwadi Mutt Palm Leaf Collection

Digitized by eGangotri

काह्वन
भितं॰डी
कथा।

दुर्नगाणावतो तत्वात् द्वास्त्राणक्वित्रिवतक्रो दह्व तः। न मितं तु विते स्मातोना ८ हरास्त्रवि रानदः स्त्रो चे क्रा म्येस्व नं दु भ्रु॰ गक्रास्त्र नभे रजण्। मतम नु ताक्रानः ॥ नं॰ वालें॰ कृतदो सनन्। कालकं॰ कु॰ विभ्रुणा सं॰ दु तामस्मा

दपो द्विअन्वे कं॰ रीवर्धकं॰ दृश्या। तमाङ्ग पे रमबवीमादिव स्तगमन्मत्तगो पं॰ कु हिलः॰ नद्रिरमते। वक्रत्ता वं॰ सभासा पादस्यो तोपन मेरात्ः। नेमा दनेत्ताति की नो कं जेतिझत कोज्यनाप्त लान तं॰ सारवनी॰ सारशाम स्तल शावन्नच्छा। वतिमेना

दपोनेक मदणु गे।वतिज्ञ ति। नेततन॰ नमेचल्लवदी नं॰ वनैवततिं। पेकस्मिन्वे वत्ता। गेतस्य स्नव वतितिरिवः। दलत्ता नन्सभस्ता जुं॰ गीर्न तम मानापवतिं। पेत ज्ञोन मिवात्ताति कानाणं॰ तवकं॰ व दा। सेनद्विअ वनः॰ पादमं॰

दरिमतभ सोवनः। वातनेगस्ग माक्रान्ति स्यितस्वे वं॰ मदे स्वनः॰ नवे दस्मपुसैवज्ञं॰ रानी नं॰ नारामा भुमाता। वे अप्रकं॰ तद्वि कि ह्याः॰ वैतेवजं॰ णवितति। पा पास्मिरक्षिसेवस्तब्ककान पस्यम पाण् नारिवद्वि अनै

वभ्रुक्रः॰ पनिदासाव नस्सन नं॰। सरमानो जिं मितं॰ डिनतितक्रि स्यम ध्वितः। परस्थितभदे उक्वा॰ तदानीयमदन्नं॰। जिदित्रवास्थर। रथे तुवे व्यमानो तपाकुलः। गदी वासक लं॰ डु कां॰ नासपापाम मेदितः। अदं॰ सतीमत्र्य तास्वतवा

मस्तवुतुत्काः। कु श्वेत मा दाव तणमितावो वद्धिवार्वकं॰। गद्दी वातक्षनं॰ सार्वकं॰ कापक्ष्वेनरि वार्यकं॰ वातरान्तिक नं॰ तैलं॰ कनच्या मीलावोवतं॰ गदीवासपत्र तैलं रावस्यो द्विअ न्मानो। तद्रुदीवा निमितं॰ डिलेविपामा साड्ं॰ कं नं॰ मर्क

पलादि पत्रा पास्माप्पा नी मद्वि ज्ञोतम॰ः रुपवान॰ तत्रखक्रो वातनोगन्धि वदितां॰ नखपतो गमान्विनो आनिरको श्रतादमास्यपा। पेवं॰ दनेवगवत्हृ वं॰ तमामास्सराद्विअः। सतीताजिदेनानारपसोगस्य नविवर्तते। न सो कृं॰

Jangamwadi Mutt Palm Leaf Collection

Digitized by eGangotri

वातनोगो पं०वन्ना मुलैनु मावतेः अदमेवन्तिविक्रास्पत्सर्वज्ञामीतत्वन्नपताद्दतिनिश्वितमम्न सासन्ते ला कप वक्रमे। सचास्मिं०नं०तने देवो मसा वोमदेखनग पार्वती सदितः सी माज्ञा [illegible] सर्वसांनदगतं०स्मा दिमम घोपे तस्वा

वः०प्रमसतामगातां ततो नाहुतेन मित्रं०उं०दोतसामालिं०नदसतनं०तदेशितत्वनं०नमा देवतेनपि उलत्तिं० पे वम्रक्रोन मित्रं० उं०घोनाव पनमे स्वनलवशैन गोः क मेसिमेत पेनाज्ञां०नवेतसः मुप्राजिवप्रवसानिवनं०मन्न दमस्थि तं०द स्मतेव

४५ क्रतादेदेतवलिप्रनतं०मना। नोगेगोपं०सामतत्रुस दज्ञावा मदेखना वक्रु मर्दलि देवेराकपाते कपिते जा। उत्क्रः० पनमेसोनिज्ञादज्ञालाप्रु०न वणाता०उ वाकतिनेषामेननोगादिनिमित्तकानाञ्जस्वा स्मा

स्वा ४ तत्रुसस्य द०ठ क्रा०स०ताउ णामिवेतास्मर्वविलप माज्ञोतक्रनादे तत्त्वनावनं०नत्राणं०वलितेपाते ताना नवेचतं०तिदानिनीसपोनमदताज्ञ स्त्रवेत्वा दमस्नराः लोपं०तेक्रतवेदोसेतमतं०तवेलोवनाः किं०

कपीनां रसन्ना०ता देवी गिनिवनात्मज्ञा। गोनीममा०गता गस्था प्रविसाभा०नमार्दिता। कन ताले दिसस्थवीउनञ्जेकाव पा०तिदानि स्वासैस्मतपोग्नु तेदीनिते द उलाजलोसाक्राखरुता०प्राणुनीनानानाः स्रमाकुलाः। मुतमाद

पहृहै तेनु मौनञ्जोनाज्ञस्पपातवता। ता०तास्वर्ग अज्ञा स्मवेननु मेपिस०- स्पष्ट तेःतनसतुक्रानपा तेन मेचपः स्वुपाति। ०पपः। पा। गाम ताउनाक्रु मुमिसाहू। सा दतोत्ति तं०अ हो क्रुहास्पिपातेनन तवं०भूस्ता०

Jangamwadi Mutt Palm Leaf Collection

Digitized by eGangotri

Jangamwadi Mutt Palm Leaf Collection

Digitized by eGangotri

४८

Jangamwadi Mutt Palm Leaf Collection

Digitized by eGangotri

Jangamwadi Mutt Palm Leaf Collection

Digitized by eGangotri

९१

[illegible]

Jangamwadi Mutt Palm Leaf Collection

Digitized by eGangotri

७० कुलः। वृत्तितेस्य रुनाङ्गेणा तां ऽ आलभ नारामताम्नतः कनानीत अले नत्ते कन्व कानस्माः शुक्ला मास्नवे गेन स्व कुंना नीत पञ्च तैः। पे कं विस्मं [illegible] ऽ लः शु आः कुर्वन्नेत ता ततः कांहव नो [illegible] ता न [illegible]
तस्तस्मौ लिंगस्य सान्नि धो। आगह्यं तं भदामन्नं स्वाप [illegible] विनासनं। सर्व छाद दनि कामी नो वंधे तस्य निंत पतातत स्वथै पितं धाम्न नास्मा ज्ञानं वि वेरा सः। नवाने गादि नो देशंधा व्वात [illegible] लः सामन्ना न
तसो गकुः। नद्वे वाद भ भ कु नंद निभा भ ३ नास्म — २ वं वार्म छा वि न्मा चि ग दीत्वा ता स्व भ तमा नता मन वे ला णां न दो देरो नु स्मं स्थि तः। पे तस्मि — नंत ने देवो सालद स्मी स्न नो [illegible] नातत श्री गतुं नं ग ब्री स्न
गा म न वेदि नुं। वि रु तं नुप मापे दे लो व न वि न तो ऽलं। — ऽलं रु स्या दनेत्या व आ छ्व रु प्य प नमा म न। कुना तो पिरु मा ग त्या द्या तु पां तनं ननं स्य — व मा गां व नेता व्ह त नं द्या भ दत्तनं तपे न वे प मा नो।
स्यौ सो का कां न स्व भा न सः। ७ न ई कि रु ता शु मा। — पा नो ना पर सा न सः स्व मं व शु व व त्रु माः व मा ना मं व ने व नः। ततो नै त ऽलं द्या कनः चो — वा न सं क नं तो तो कि भे त तस्य न न द्रव नभी द सं ना ता
मगी म तिं सुत्वा न ने ते ते स्म तः ऽलं रो न माल स नत्त्वः दं वि पि तो ऽ रु त भद ता दूवा पा सु पा जा तो नि त्त व तः प न मे स्व ना त्तव दा ता नु स्मा ने गा द्वा वा स्ना पा म त्र म ता ता नीं त व ने ता व्हामा ज्ञा स्री ऽलं वि नि स्न तिः ततं. ये नि त
पा या ता प तं ते न ऽलं स्य तिः। ग द्यो तु सना व नि ताः रा शु का स्य व ने प ने। ना त व व प मा नि स्य न य ना ऽलं न स्य तिः। म नशु पि चात न र गो न ने नां ते ऽलं स्य तिः। वि दा न प नी पु ता री द व स्मा भी द व नां ना ने। दे वं [illegible]

Jangamwadi Mutt Palm Leaf Collection

Digitized by eGangotri

Jangamwadi Mutt Palm Leaf Collection

Digitized by eGangotri

[illegible]

Jangamwadi Mutt Palm Leaf Collection

Digitized by eGangotri

५९

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

Jangamwadi Mutt Palm Leaf Collection

Digitized by eGangotri

अत्वता वाला॰ दिव त्त्वी॰ थ जी॰ तिशे॰ व॰ प्रज्ञ॰ के थान ग्मा॰ के घा लम्ब सा वे त्व नः॥ तन्निर्गोस्थितो अ॰ स्वीन अ बसावन वा [illegible] नात अव नः॰ क सिका [illegible] वक्तित्वत॥ त स्मा [illegible] नो लिम॰ म [illegible] नव गतिं [illegible] सां मा मा सांवे

ट॰ लीलाव यग्र भाग मां॰ न वेवाद॰ क वस्त्र भक्त क्रा [illegible] म्मि [illegible] ना नाना अ [illegible] मे तस्मि [illegible] आसत भा॥ - भसी काल दस्थित लि पे पन मे रात्त क्रा वे अ॰ स्था तो सा कल लो क अ नास्ति न॰ को॥ [illegible]

लाबसावे च्व नो सौ सा॰ तो ब [illegible] मिका न मे व अ॰ ना ॥ म [illegible]॥ - य इत स्वा व सा व [illegible] नातो [illegible] प च॰ छो [illegible] मा नाग [illegible] ना ते [illegible] वर्ति नि॰ ना म व॰ रो [illegible] - भ [illegible] स्त्वा॰ [illegible]

साकलेश
मादिनाअ
कथान

बती [illegible] न॰ नाम नो त व सं॰ तक मा दा [illegible] बुद्ध मे [illegible] न॰ नी [illegible] सा॰ श्री नी अ॰ [illegible] ग त अव [illegible] का [illegible] न व तामे सा [illegible] सा मा [illegible] तस्यो स्मी वसा वे स्व न॥ श्रा [illegible] न॰ त वे [illegible]

[illegible] ना अ ते [illegible] न॥ स्व सा [illegible] श्री [illegible] ना तो वी ला ॥ वा द न कौ [illegible] द॥ [illegible] दवे ना॰ त सा॰ वे म [illegible] व तव [illegible] ला॥ य [illegible] न सा॰ [illegible] क [illegible] ॥ अ द मा [illegible] ति [illegible] नो म [illegible] भ [illegible] ना॰ [illegible] तन वे [illegible]

अ॰ द्वि का त्वा [illegible] ने न मो राव न [illegible] रसा मा व तो न त [illegible] ता ग सी॰ सा वो॰ ना ल [illegible] तिम मे त॥ [illegible] अ॰ ग मे ल॰ ना ला म [illegible] ना त तन नः॰ व न॰ ॥ आ स्ती [illegible] ना न व म [illegible] सा॰ [illegible] व त [illegible] व॰ [illegible] सा॰ [illegible] ना [illegible]

गणा न त्व स्या स्म त॥ न त रसा [illegible] [illegible] न य॰ प॰ ना न॰ अ मो स्व प॰ न ना न म क ती वी ता न त॰ ना ग॰ रव प॰ बु॥ ता ना [illegible] स्व न भाग [illegible] मा [illegible] म॰ [illegible] ती न वा स॰ मो आ री व [illegible] आ ण म ति क [illegible] स॰ [illegible]॥

Jangamwadi Mutt Palm Leaf Collection

Digitized by eGangotri

२०

[illegible]

Jangamwadi Mutt Palm Leaf Collection

Digitized by eGangotri

Jangamwadi Mutt Palm Leaf Collection

Digitized by eGangotri

Jangamwadi Mutt Palm Leaf Collection

Digitized by eGangotri

[illegible]

Jangamwadi Mutt Palm Leaf Collection

Digitized by eGangotri

Jangamwadi Mutt Palm Leaf Collection

Digitized by eGangotri

[illegible]

Jangamwadi Mutt Palm Leaf Collection

Digitized by eGangotri

धं॰ल्पमानत्तं॰ मादिनाद्धं॰वित्तक्षितं॰ मल्लर्क्षस्त्रमालिन्पवत्तावे वनवनं॰पनं॰ग्रतीव कामितुनरथं॰ अरत्तकं॰ गम सत्ताइ दाजीं॰ मतिलो नं॰लां॰ प्रे भितनुध्वनं॰वलणं॰ ननाथदेनं॰ वस्वामित्वण्ड्व काथ मानसाथ दिवाऊपामला
तानद्धिवतक्षो द्रत्यवनः शिवतक्षिं॰ वलित्रिं॰ त्वाां॰ वस्त्रावे रोतु कनतः स्थलविजिं॰ शिवपामानां दितं॰ जरवान्ति कणवत्रसां॰ नाविवर्जितानं॰ लवपं॰ दारागुन्नमासीनने स्म क्षतीगाय नानाभ्जि नगातकुली। कन्मातासं॰ स्वावतेभ
२१ पातेभ स्नानभिवर्षाशी स्वनातं॰ स्ववनात्स्नाविजितगीश्चा। दं॰ दामितो इत्य क्षो मादिनाओमिदस्यं॰लं॰ मस्ति कार्जनमा अन्मामासमां॰ वतां॰ लस्त्रीं॰ मावे दं॰न सतावनामामा नलितं॰ नाथनस्थिनं॰ स्वर्ग भेदवाधुवं॰ त्तर्ग पं दत्वेन मोसं॰
वार्जिनकामपोक्ष (लि) तोनत्नासपेकिं॰ वितवैतद्वि दितं॰ सत्पानमस्नेस्तुमदासाान्यपातातिसितं॰ भला। कदिक्लामित्व कं॰दिसे वसं॰ स्तुतवैत वासल्पासमादगोतर्स्मिं॰ क्ष स्थादिनाथः कताअं नीद्य
वत्स्नवेसां॰ तकेतस्थो पे कायमनसोमघाइतः ननं॰ स्थनमेतानस्वंद्यिते तत्प्रभ्वलनं॰ पातानाममदासागोवस्नावे सोमतत्त्विमाजातिस्मिन्नेव सगोतस्यभ नोत्वानेद्र। र्स्तितं॰ भनस्य स्वदत्तु भोधगानां
मातवस्थानतः सिं॰न मानमदसिनं॰ मोजिम अक्षत्वा दनादपं॰ वसावे सानन्दितं॰ भुक्तोमा नस्थितो तवत।—पमादिनाअवषितं॰ भूण तेघमतविं॰ मो वश्रीतस्य अदितं॰ वधितं॰ वद्वितं॰ तस्थात्तसो सभमा तलं॰ घतवेतीवं॰ कपनं॰
परं॰ मोनक्ष नीं॰दतावाक—पसीप—पद तसीवस्वावपताते स्वतुलघ॰ धीकमानानस्सरसं॰ वादे पे अवं॰ रोमामदः प—पसी सगत्साथः नवभा ननमदासाा न पातातिभि तं॰ मनाभि नसतौस्य माता तानं॰

Jangamwadi Mutt Palm Leaf Collection

Digitized by eGangotri

Jangamwadi Mutt Palm Leaf Collection

Digitized by eGangotri

Jangamwadi Mutt Palm Leaf Collection

Digitized by eGangotri

[illegible]

Jangamwadi Mutt Palm Leaf Collection

Digitized by eGangotri

Jangamwadi Mutt Palm Leaf Collection

Digitized by eGangotri

Jangamwadi Mutt Palm Leaf Collection

Digitized by eGangotri

रत्नत्रयकथा।

४९

[illegible]

Jangamwadi Mutt Palm Leaf Collection

Digitized by eGangotri

Jangamwadi Mutt Palm Leaf Collection

Digitized by eGangotri

४२ [illegible]

Jangamwadi Mutt Palm Leaf Collection

Digitized by eGangotri

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

Jangamwadi Mutt Palm Leaf Collection

Digitized by eGangotri

ततोऽस्य मध्यात् काकलीकर्तव्यं स्वमेतत्र नावतं वे मातात्मतां मावो मन सी रं चव्रं तव सा तारा रक्ता वले नादिं व स व: स्वां त सं स्थं तत्त्व तत्त्व ता दिव मा त्तो मेर्त्त क्रा सं कं नो मनन रत्ने स्वं त्तम नस्या नस्य का क
लम स्थितार्वनात्मीर्वितत्त्वज्ञा वि आतां [illegible] द कवि रवः अलविंजु सुमा क्रांतात्रु मि:कां वन ता मन्नाता नेत्र ह्वास्य स्या मर्ध्यं वृसावे स्या यत्त क्रमा [illegible] नः वो बाव सक्रोलं वे वमाना न नसस्त तश्च तत्त्व क्रा म

४५ दातां ना आ शेरवं स्य मन्नवा त्रतो जां ब या न त्र ग क्रो म द पात्तं कस्यं नित्तः ख वा न त्र स्य वर्तिं व लो क्षा ह्या वं न सं रा यथ तत्त्व स्य त्रा नि न ज्ञा नि पा वा ता स्य द स्या नि दि त त स्व स्व त्र

क्रा व स्वे स्यो व्या प्युव मी तिर्दिका तो अत स्वं गर्वं क्रान्सा न वमेवा वलं व या ने त्र त्रु स्वा पौ न अना ये स्मि ता स्व व त्र वं नो ध्वं क्ष्य लो पिस्य मा नत्त्व स्व वले ये स्मि तो तवता मा वत क्रो प

न ततः व मध्ये विज्ञता ति तो ऽ स्य वृक्ष स्वस्य स्या उं उ त त्वा न भु विस्त्रं परला तिवस्य वेरा स्थ मनस्या दिं तता नि धारिवस्य मा गत रेव मा वत क्रौन ना अस्य ग त त र स्य वे स

वे स्तो स्य मा व त क्रों नना म वा तृ क्षा व वि ते स्तौ त्तै वी जा नेरा न तां वा नं न दो भा व म ना त्ता न त्व म्मा स्वा त्व यं नी रि तु नं अ शिं व न: कि य स्मा त: क्रु उ छ व त्रु ता गं मधा स्व मे व रां क न

स्य सा ता शिं वा नो अं न सं रा य श स्य विक्र स्व मसा ता शः कि नं वे स्तो सं म ला म तो आ सं न द्विर्मल स्व द्दं सं नि दि नो स म स्व स्या जु त्रो स लं त्रु व ता नी व्यं त्र ना मयवि न स्य वि ज स्वस्तु पणा लो सं दा ता लं ना स्य

Jangamwadi Mutt Palm Leaf Collection

Digitized by eGangotri

Jangamwadi Mutt Palm Leaf Collection

Digitized by eGangotri

[illegible]

Jangamwadi Mutt Palm Leaf Collection

Digitized by eGangotri

Jangamwadi Mutt Palm Leaf Collection

Digitized by eGangotri

Jangamwadi Mutt Palm Leaf Collection

Digitized by eGangotri

Jangamwadi Mutt Palm Leaf Collection

Digitized by eGangotri

८७ [illegible]

Jangamwadi Mutt Palm Leaf Collection

Digitized by eGangotri

[illegible]

Jangamwadi Mutt Palm Leaf Collection

Digitized by eGangotri

Jangamwadi Mutt Palm Leaf Collection

Digitized by eGangotri

[illegible]

Jangamwadi Mutt Palm Leaf Collection

Digitized by eGangotri

८१

[illegible]

Jangamwadi Mutt Palm Leaf Collection

Digitized by eGangotri

Jangamwadi Mutt Palm Leaf Collection

Digitized by eGangotri

८५

[illegible]

Jangamwadi Mutt Palm Leaf Collection

Digitized by eGangotri

[illegible]

Jangamwadi Mutt Palm Leaf Collection

Digitized by eGangotri

Jangamwadi Mutt Palm Leaf Collection

Digitized by eGangotri

चा वः कृत्ति मवे नन्म का त घोमिरलः प्रति स्त्र वाप्रा न्मस्थी मं नस्रान्तनं न्रु तं नीदुना तन्मान्वलं न्दौ या वा निलामिता रा दं स्त्रं नस्यदु नं स्यावैं मान्वी नि वा स्वितुं कैलासं चं दौ तस्मै न द्वीप्रवम ता पश्च । ऐ ता द सोम मा मो तन्त्रा

कं स्थं ति तु त तो स्मर त स्नानं तदनं नं सर्वे वा नस मे नि ना नि अं न मो क्रि मतिस्र त्वा न तु वे क्ष स्या ल्पः । अनो ज ना मि प्पत्तो कृ स्यां हि न कि मु ना स स्यः निपि तो ज्ञो । म न्दी न कृ घण्ट मु सं कु प्या न स्लः । व व नं वा न म श्री का नीं नु न त्वा नु व तो

गुना । क्षेतो दित्तवता वा का नं मि घो तिप्रतत्ता तिमे । ऐवमातान्नमातान्तेनं जनं घो कामु रत्नं नःदातानसस्वितामीतानं सुल्लानां दानततमनां ु दे म दानतिनत्सलं नीलो कै स्म द स रानं दि घो मनः पनी

साघणिदु ष्किन नं व ल्लु मा व ते तत्ता स्मृ स्ल न्मपस्ना । साघणिदत्ते वन सं रात्रः । क्ष तत्सुविदितो ऽपि दौ ज ततमोः प लं ना स्थि वे नि वि स्वा सोमं गताघेदिलामुन्नालोकानतनी अ सं दिकं न ता या म ग

नाद्रि कं स्त्र वैगा पं निलातटो ध्याल गो पास्व को । हिस्राः ऐवमातात्र मातास्मा हि न कृ पितो मु स्नान मः । ततत्रवाहृ न्यान मजार्गमलन दाने प लतलं कृ घ्नं नत कुः स्त्री विनितो ऽपि ति ह्नि दी नो त व स कृ घ्नं क्रीदि

दो मं नद्दा रे वो त क्री वा की द रा स्त्र तः माता वा ना सु स्त्री ष्मो ना क घण्नं तु न अ प्या न स्ता वा मिक्ता तत्त न भे रा स्म मु वुद्धिः तं रो प्रा वा त व ता नं स्म ज्ञ म ते न तो कृ घ्नं ना वि नु तु द्धि वभा का घो स्य त न कृ स्त ला व न तो ऽ

अप्पा न त म सं न मस्त वरु तस्तु स्मा हि ना व द्धिं व रा क मो ज्ञ तो य द्धे दे तो ऽ दे अं न स्मा ता प्पा न तु न कु दा रा द स्ता स्मा प देता मा नो क्र का दि नं न ना मि व ण त तत्व प्र दत्तो ऽ ता रस्थं तु नु न दौ न पना य मा व ना

Jangamwadi Mutt Palm Leaf Collection

Digitized by eGangotri

Jangamwadi Mutt Palm Leaf Collection

Digitized by eGangotri

Jangamwadi Mutt Palm Leaf Collection

Digitized by eGangotri

Jangamwadi Mutt Palm Leaf Collection

Digitized by eGangotri

Jangamwadi Mutt Palm Leaf Collection

Digitized by eGangotri

कलिकाल
नीलकण्ठ॥

[illegible]

Jangamwadi Mutt Palm Leaf Collection

Digitized by eGangotri

[illegible]

Jangamwadi Mutt Palm Leaf Collection

Digitized by eGangotri

८९

कउमल नन्दीक था गुरुलकलिमाघ

पर मे रात्तः । वं ज क्रमतो नैवल्न नं स्वार्वं दतं तवत । वक्रौलु नं रनं नैव ननात्तावं दिनाभवादिंतापनवरोक्तवानै विकाले रमजु तनजक्रिने वल नं लर्वं लनर्कं ललजु सोतोम नः सास्ता दस्यात्तावे तादीत क्रि [illegible]

वैसर्वमसो वेसोदं न स्वाभवेत स्यास्वतजु श्रुं दनं का [illegible] कत्वा तअं लले पनन कशेभ्रं प्रमसं स्तातत्तता देव वेवस्पर लनः । इत त स्वितमनस्या वस्रा रमकनो ज्ञ आ । म ज्ञालो र वन लस्व नवदन स्मोत्तवे ताज ओ वा नक्रा सं

भस्रोत्त वे धर्द्वि वर्तातनः । उगं लोद्वारा वस्याभ — ममदै रन्त घात वेता । कृम रानी वसा नं मेरिवतो तस्य नो तवता । स्वबुक नरि गा घा गं ल मा — क ज्ञा पवरमे रातुः । लेप भा मालरा तु लमा रा वो पिनन मा

क्रमायुनना वर्त रदतं पर तस्य घरापमत । — पेगाकुर्तमितरसो साज ज्ञातनमो नमः ॥ — ल सीव — पत्र घा कउमल नं वीरो शिव कृ आनतः — सा का । स्मदत्य रौ पि का ता नं कुर्व ज्ञास्ते मदे रातुः । सेल व त्सा

मतावे न मसो हाला सोति भेर्वाद्वा । स्वतजुं नीपितां कत्वा पः कैला सां क्षेगाम दाक्षदं नि तं नभस्य रा मित स्मे कउमल नं वेनो ॥ — लसील — पलव [illegible] मञ्जु नेत्रमो शिवन ज्ञोति सं कुलोत्त र सीगु कुल कलि स्त वडतम सो हु

कं । स्थाणोर्कु लगु पालां व रातान्ने दुनं वनः । उकुलो स्तु का मे सार्वं नश मा स्मी भनं स्व रु पन गानी । नागकन्या नां सं । नीत र स्मात त पनः । नाग स्व नोलिं मुकुर्तं जं भो वका तमागतः । तद्व क्रतांथ रामने लवपा सार न मा कुवीः

कचाम उपा मे सो बकु वि मे नसम हांविरु वने । ऐवं नाज्ञा दमे स्मावें वेन्ताता नसा मा कुलाः । तेना जुउ कुलकलीर्ने ला सा द्विलि मादता लिं न स्मावक्रताभे नां सा मन्नजो नसं रा पः । ता रि स्तु गु कुर्ले निलिं सानी न

Jangamwadi Mutt Palm Leaf Collection

Digitized by eGangotri

[illegible]

[illegible]

Jangamwadi Mutt Palm Leaf Collection

Digitized by eGangotri

[illegible]

Jangamwadi Mutt Palm Leaf Collection

Digitized by eGangotri

[illegible]

Jangamwadi Mutt Palm Leaf Collection

Digitized by eGangotri

२०

[illegible]

Jangamwadi Mutt Palm Leaf Collection

Digitized by eGangotri

Jangamwadi Mutt Palm Leaf Collection

Digitized by eGangotri

Jangamwadi Mutt Palm Leaf Collection

Digitized by eGangotri

Jangamwadi Mutt Palm Leaf Collection

Digitized by eGangotri

[illegible]

Jangamwadi Mutt Palm Leaf Collection

Digitized by eGangotri

Jangamwadi Mutt Palm Leaf Collection

Digitized by eGangotri

Jangamwadi Mutt Palm Leaf Collection

Digitized by eGangotri

Jangamwadi Mutt Palm Leaf Collection

Digitized by eGangotri

Jangamwadi Mutt Palm Leaf Collection

Digitized by eGangotri

Jangamwadi Mutt Palm Leaf Collection

Digitized by eGangotri

१८ [illegible]

Jangamwadi Mutt Palm Leaf Collection

Digitized by eGangotri

[illegible]

Jangamwadi Mutt Palm Leaf Collection

Digitized by eGangotri

१२

Jangamwadi Mutt Palm Leaf Collection

रु॰व३
व्रनैप
कछ्या

तथकासव्रवनं तासो कस्य माकुलः आ नं श्वो वा वन स दो स्यं तविन मोर्व्वतः [illegible] माता मा क नो [illegible] ऽजल क हे वे दवा कस्यं नर्व मतो [illegible] कामे [illegible] नं भारमनो दे न न नयां अपि मकातागवन मोदीनति

श्रतास्यं नमेतास्तु पस्थं गतमं मं नवा मनः वं त मे वं व न गो पतितः [illegible] श्रामाणं [illegible] मानस्यं [illegible] नतो भमतः। ततो मानं नमस्कृत्वा नमनोवस्यावे स्वनः॥ नमः [illegible] न कामं नलानल

द्वा सोम्प्रमथप्रमे पं गस एकं ति मे पदं म मोगिंगगा पक्तं ति ते [illegible] नमस्तु ता न नः॥ [illegible] त्वीवस्य वन्दे [illegible] मामागस्कु सं वा दे पे को नविंध्यो [illegible]॥ [illegible] पार्वती द [illegible]

तवे का नागाज्ञानो। नमस्तु तं [illegible] नत्त क्षा माहात्म्यं [illegible] तत्कालं [illegible] नाताल नो [illegible] तवनं तनः [illegible] नवृताना नो [illegible] नानाल

काथ ताः भवान्या तनार्व तास्य क्ष स्थली तितस्या [illegible] नमितस्त तः [illegible] नमानीनाव [illegible] नरा तद्वमानतात

क्षानकोलिं नगानिताभतनात्म [illegible] नाके नि॰ मं॰ [illegible] मानने [illegible] आतः। [illegible] तस्यामरी [illegible] नवनातः

३ क्षावरू वे तो पितृदं ३ वत त्व गा न गा म स्यः [illegible] नमाने [illegible] क्षो [illegible] भागन नः व [illegible] ना गा न [illegible] नीं [illegible] क्षो [illegible] स्यं [illegible] तन्त्रत [illegible] तं॰ वक्षुन

Digitized by eGangotri

Jangamwadi Mutt Palm Leaf Collection

Digitized by eGangotri

Jangamwadi Mutt Palm Leaf Collection

Digitized by eGangotri

[illegible]

Jangamwadi Mutt Palm Leaf Collection

Digitized by eGangotri

२६

[illegible]

Jangamwadi Mutt Palm Leaf Collection

Digitized by eGangotri

Jangamwadi Mutt Palm Leaf Collection

Digitized by eGangotri

८०

Jangamwadi Mutt Palm Leaf Collection

Digitized by eGangotri

Jangamwadi Mutt Palm Leaf Collection

Digitized by eGangotri

Jangamwadi Mutt Palm Leaf Collection

Digitized by eGangotri

Jangamwadi Mutt Palm Leaf Collection

Digitized by eGangotri

[illegible]

Jangamwadi Mutt Palm Leaf Collection

Digitized by eGangotri

[illegible]

Jangamwadi Mutt Palm Leaf Collection

Digitized by eGangotri

[illegible]

Jangamwadi Mutt Palm Leaf Collection

Digitized by eGangotri

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

Jangamwadi Mutt Palm Leaf Collection

Digitized by eGangotri

Jangamwadi Mutt Palm Leaf Collection

Digitized by eGangotri

[illegible]

Jangamwadi Mutt Palm Leaf Collection

Digitized by eGangotri

[illegible]

Jangamwadi Mutt Palm Leaf Collection

Digitized by eGangotri

Jangamwadi Mutt Palm Leaf Collection

Digitized by eGangotri

[illegible]

Jangamwadi Mutt Palm Leaf Collection

Digitized by eGangotri

[illegible]

Jangamwadi Mutt Palm Leaf Collection

Digitized by eGangotri

Jangamwadi Mutt Palm Leaf Collection

Digitized by eGangotri

[illegible]

Jangamwadi Mutt Palm Leaf Collection

Digitized by eGangotri

[illegible]

Jangamwadi Mutt Palm Leaf Collection

Digitized by eGangotri

Jangamwadi Mutt Palm Leaf Collection

Digitized by eGangotri

Jangamwadi Mutt Palm Leaf Collection

Digitized by eGangotri

Jangamwadi Mutt Palm Leaf Collection

Digitized by eGangotri

Jangamwadi Mutt Palm Leaf Collection

Digitized by eGangotri

[illegible]

Jangamwadi Mutt Palm Leaf Collection

Digitized by eGangotri

[illegible]

Jangamwadi Mutt Palm Leaf Collection

Digitized by eGangotri

[illegible]

Jangamwadi Mutt Palm Leaf Collection

Digitized by eGangotri

Jangamwadi Mutt Palm Leaf Collection

Digitized by eGangotri

Jangamwadi Mutt Palm Leaf Collection

Digitized by eGangotri

६२

Jangamwadi Mutt Palm Leaf Collection

Digitized by eGangotri

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

Jangamwadi Mutt Palm Leaf Collection

Digitized by eGangotri

६४ [illegible]

Jangamwadi Mutt Palm Leaf Collection

Digitized by eGangotri

[illegible]

Jangamwadi Mutt Palm Leaf Collection

Digitized by eGangotri

१४

[illegible]

Jangamwadi Mutt Palm Leaf Collection

Digitized by eGangotri

Jangamwadi Mutt Palm Leaf Collection

Digitized by eGangotri

नानुग्रहीतास्ते कैलासपत्र मापप्य: तत्क्रमात् [illegible] स्तनु लोन दिव्यनाम तो मोक्षार्थितः सर्वे [illegible] स्वं [illegible] सोतकः कीर्तितं का स्व मन्त्र [illegible] नमेरव नः [illegible] विज्ञान [illegible] सर्वे न [illegible] कामनी जनि:

॥ पैतद्विबावबवन: [illegible] तिस्मा [illegible] लावधि [illegible] सा मुदिता: [illegible] गाः [illegible] प्रति [illegible] स्वं स्वं न कैत [illegible] नाम [illegible] ता वाः ॥ इतिसीव [illegible] नातो [illegible] मानस्या [illegible] सो [illegible]

प: ॥ [illegible] स्तर: ॥ माद्योतिष्णं [illegible] तत्कानां [illegible] दितं [illegible] सा [illegible] प: [illegible] का [illegible] मानः [illegible] कानां [illegible] नगति [illegible] तस्यातो [illegible]

[illegible] को विद्यावन्न [illegible] स्य [illegible] तु [illegible] ता [illegible] जनाव [illegible] तस्य [illegible] नायनाम [illegible]

[illegible] तन्न [illegible] ता [illegible] तो [illegible] स्वात्त तो [illegible] कानं [illegible] मात्र [illegible] ना वक्ष्य नेतः ॥ [illegible]

कल्पान्ता [illegible] गता [illegible] मतत्व [illegible] वर्णित [illegible] की [illegible] माड्ववन्ना [illegible] तस्मा [illegible] तत्रो [illegible] तन्नो [illegible] नालत ते

इति सा [illegible] तिः [illegible] मो [illegible] तना: [illegible] ना [illegible] मातो [illegible] ज्ञवतीतो [illegible] मा [illegible] तो [illegible] तिः [illegible] नो ॥ इति तीन

Jangamwadi Mutt Palm Leaf Collection

Digitized by eGangotri

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

Jangamwadi Mutt Palm Leaf Collection

Digitized by eGangotri

[illegible]

Jangamwadi Mutt Palm Leaf Collection

Digitized by eGangotri

Jangamwadi Mutt Palm Leaf Collection

Digitized by eGangotri

Jangamwadi Mutt Palm Leaf Collection

Digitized by eGangotri

Jangamwadi Mutt Palm Leaf Collection

Digitized by eGangotri

Jangamwadi Mutt Palm Leaf Collection

Digitized by eGangotri

[illegible]

Jangamwadi Mutt Palm Leaf Collection

Digitized by eGangotri

१०० [illegible]

Jangamwadi Mutt Palm Leaf Collection

Digitized by eGangotri

Jangamwadi Mutt Palm Leaf Collection

Digitized by eGangotri

[illegible]

Jangamwadi Mutt Palm Leaf Collection

Digitized by eGangotri

Jangamwadi Mutt Palm Leaf Collection

Digitized by eGangotri

Jangamwadi Mutt Palm Leaf Collection

Digitized by eGangotri

[illegible]

Jangamwadi Mutt Palm Leaf Collection

Digitized by eGangotri

Jangamwadi Mutt Palm Leaf Collection

Digitized by eGangotri

Jangamwadi Mutt Palm Leaf Collection

Digitized by eGangotri

२०४ [illegible]

Jangamwadi Mutt Palm Leaf Collection

Digitized by eGangotri

२

[illegible]

Jangamwadi Mutt Palm Leaf Collection

Digitized by eGangotri

१०४ [illegible]

Jangamwadi Mutt Palm Leaf Collection

Digitized by eGangotri

Jangamwadi Mutt Palm Leaf Collection

Digitized by eGangotri

Jangamwadi Mutt Palm Leaf Collection

Digitized by eGangotri

Jangamwadi Mutt Palm Leaf Collection

Digitized by eGangotri

१०२

[illegible]

Jangamwadi Mutt Palm Leaf Collection

Digitized by eGangotri

अगमेव
कथा॥

[illegible]

Jangamwadi Mutt Palm Leaf Collection

Digitized by eGangotri

Jangamwadi Mutt Palm Leaf Collection

Digitized by eGangotri

Jangamwadi Mutt Palm Leaf Collection

Digitized by eGangotri

Jangamwadi Mutt Palm Leaf Collection

Digitized by eGangotri

Jangamwadi Mutt Palm Leaf Collection

Digitized by eGangotri

Jangamwadi Mutt Palm Leaf Collection

Digitized by eGangotri

Jangamwadi Mutt Palm Leaf Collection

Digitized by eGangotri

Jangamwadi Mutt Palm Leaf Collection

Digitized by eGangotri

[illegible]

Jangamwadi Mutt Palm Leaf Collection

Digitized by eGangotri

Jangamwadi Mutt Palm Leaf Collection

Digitized by eGangotri

[illegible]

Jangamwadi Mutt Palm Leaf Collection

Digitized by eGangotri

[illegible]

Jangamwadi Mutt Palm Leaf Collection

Digitized by eGangotri

Jangamwadi Mutt Palm Leaf Collection

Digitized by eGangotri

[illegible]

Jangamwadi Mutt Palm Leaf Collection

Digitized by eGangotri

Jangamwadi Mutt Palm Leaf Collection

११४

च्छिवलिंगार्चनोक्तः । लिंगाङ्गसंबन्धतत्वज्ञो लिंगतत्वस्थः पदवतां लिंगार्तिमानकल्पितो भीनो रात्रिः प्रतापवाला सर्वनाशान्निवदनो नाश्रितत्वतां भुञ्जः । तत्वे त्रस्मान्न सदृशीत्र कीं वा स्मातत्वतातना

स्वसं ज्ञापते पुद्वोदीन लिंगात्तिलोमदा तातत्वस्वमत लिंगात्म स्वत्वो वीनेस्व नो मदा ता स्वी सा द्वैरा तत्तंश्च स्वानुतिना ओमचन्द्र नः । ततः कुउलि स्वंगा स्वो मल्लि कार्जुन नी मतोः । स्व नेना तन्वक स्वोहा

सा तु स्तिव तु पतिः । देव देवस्य मानताय वदैत्रं न्ना ताना स्वात । मल्लि कार्जुनं नस्वर्दक्षः सर्वं तु पालवंदिता स्तु त्रिभि क्राम पद वल वसा पाप्नात्म सर्को हनातामा तो व स्वा वांरो

नतां जं अः सर्वत्ता न पवानातनोम दो त्वा व न्क त्वा प्रतं त्वैलो का स्वणं नवनव सर्वे स्व न नामा मान । वृन्दापिप नपाम सामि पालसा रावा स्वो न गुरु पाद लिंगनां नाना । का न दिवा नातन तन्वी

त्वौस्वाहः स्वं न पमो दुष्माः इत्यु ह्नारो तां नानोन च्छ ननः च स्वाधाप स्वं ल माता । तत्वज्ञं निज तापीमे वाद्वे मल्लिकार्जुनः । शानिस्वं नो व मां नं न्वाक नेकाल वं कृ ताव । तनोर स्वतत्व ज्ञातं तु

पातेतु तवा स्वता । सा नारी वाप्स नाशु व स्वत क्षा पु रु भु तम नं । कार स्व अति तत्वपा नता मल्लिकार्जुनः । वसावे स्व न पे वा स्वो आ पते वसा वेस्व नः । तत्कात्ती ज्ञापरस्वीमान गान्तीप्तिलस्वीक तोरलिंगः । दृशवतत्वत भो ... सानासा

स्वा पत्रा पगाः । सर्वसास्वा छीतत्वे ज्ञः । तत्वसं पद्दिवा जितः । तु पा ... पापनीदिता । स्वश लिंग मद ते नेतु स्व पिता पनः प्रा गा लिंगे जित्व मतं तिनः । तत्वि स्वं । भान निज गो तावलिंगो ... पीः । नाव नोद गा

Digitized by eGangotri
Jangamwadi Mutt Palm Leaf Collection

Digitized by eGangotri

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

Jangamwadi Mutt Palm Leaf Collection

Digitized by eGangotri

[illegible]

Jangamwadi Mutt Palm Leaf Collection

Digitized by eGangotri

Jangamwadi Mutt Palm Leaf Collection

Digitized by eGangotri

Jangamwadi Mutt Palm Leaf Collection

Digitized by eGangotri

Jangamwadi Mutt Palm Leaf Collection